भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 121, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ बढ़ती नफरत के मायने

पंकज श्रीवास्तव

एक अमेरिकी पत्रकार की नस्लवादी चेतावनी ने सनसनी मचा दी है- भारतीयों को 2026 तक अमेरिका छोड़ने की धमकी। क्या यह बढ़ती नफ़रत, इमिग्रेशन राजनीति और भारतीयों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल है? दुनिया नये साल के स्वागत की तैयारी में जुटी है। हर तरफ खुशियां और उम्मीदें हैं, लेकिन अमेरिका में रहने वाले लाखों भारतीयों के लिए यह समय चिंता और डर का है। एक अमेरिकी पत्रकार मैट फॉर्नी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली, जिसमें उसने भविष्यवाणी की है कि 2026 में भारतीयों और हिंदू मंदिरों पर बड़े हमले होंगे - घर तोड़े जाएंगे, व्यवसाय बर्बाद किए जाएंगे, मंदिरों पर बमबारी और गोलीबारी होगी।

मैट फॉर्नी ने सुझाव दिया है कि भारतीयों की जान बचाने का एक ही तरीका है - सभी को अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत भेज दो। उसने लिखा, "DEI: Deport Every Indian" यानी हर भारतीय को डिपोर्ट करो। यह पोस्ट बाद में डिलीट कर दी गई, लेकिन उसके स्क्रीनशॉट वायरल हो गए और पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गये।

मैट फॉर्नी एक दक्षिणपंथी पत्रकार और एक्टिविस्ट है, जो पहले भी भारतीयों के खिलाफ नफरत भरे बयान देता रहा है। हाल ही में उसने Etsy कंपनी की नई CEO कृति पटेल गोयल (जो भारतीय मूल की हैं) को 'अयोग्य' कहा और आरोप लगाया कि वह अमेरिकी कर्मचारियों को निकालकर भारतीयों को नौकरी देंगी। फॉर्नी का इतिहास विवादों से भरा है - वह ऑल्ट-राइट विचारधारा से जुड़ा रहा है, महिलाओं और प्रवासियों के खिलाफ बोलता है। पहले भी उसके बयानों की वजह से उसे नौकरी से निकाला जा चुका है। उसकी यह पोस्ट ट्रंप की इमिग्रेशन नीति और H-1B वीजा की बहस से जुड़ी लगती है। इस पोस्ट पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी- कुछ ने उसे हिंसा भड़काने का आरोप लगाया, तो कुछ ने FBI और भारत के विदेश मंत्रालय को टैग करके कार्रवाई की मांग की।

अब सवाल यह है कि अमेरिका में भारतीय कितने हैं और क्या वे सच में ख़तरे में हैं? 2025 के आँकड़ों के अनुसार, अमेरिका में भारतीय मूल के लोग करीब 5.2 से 5.4 मिलियन हैं। यह अमेरिकी आबादी का लगभग 1.6 प्रतिशत है। इनमें से ज्यादातर उच्च शिक्षित और कुशल पेशेवर हैं- टेक, मेडिसिन, बिजनेस जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। करीब 55 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक बन चुके हैं, 25 प्रतिशत ग्रीन कार्ड होल्डर हैं, 9-10 प्रतिशत वीजा (जैसे H-1B) पर हैं, और अनुमानित 3.75 से 7.25 लाख अवैध रूप से रह रहे हैं।

भारतीयों का अमेरिका जाना मुख्य रूप से 1965 के इमिग्रेशन एक्ट के बाद शुरू हुआ, जब कुशल कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी गई। कारण थे बेहतर नौकरियां, शिक्षा और जीवन स्तर। ज्यादातर लीगल तरीके से आते हैं, लेकिन कुछ अवैध रास्ते (जैसे मेक्सिको बॉर्डर पार करके) भी अपनाते हैं- गरीबी या जल्दी सफलता की चाह में। H-1B वीजा इसी का बड़ा हिस्सा है। यह वीजा विशेषज्ञता वाले कामों के लिए है - जैसे सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग। हर साल 85 हजार ऐसे वीजा जारी होते हैं और इनमें 70-75 प्रतिशत भारतीय लेते हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां हजारों भारतीयों को इसी वीजा पर रखती हैं। सुंदर पिचाई, सत्या नडेला जैसे बड़े नाम भी कभी H-1B पर ही पहुँचे थे।

अमेरिका में भारतीयों की सफलता कमाल की है। सुंदर पिचाई (गूगल CEO), सत्या नडेला (माइक्रोसॉफ्ट), काश पटेल (2025 में FBI डायरेक्टर), उषा चिलुकुरी वैंस (सेकंड लेडी) जैसे लोग ऊंचे पदों पर हैं। बिजनेस में विनोद खोसला, जय चौधरी जैसे अरबपति हैं। राजनीति में कमला हैरिस, रो खन्ना, प्रमीला जयपाल। लेकिन यही सफलता कुछ लोगों की आंखों में खटकती है। H-1B पर बहस चल रही है - कुछ अमेरिकी कहते हैं कि भारतीय उनकी नौकरियां छीन रहे हैं। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में इमिग्रेशन सख्त हुआ, टैरिफ लगे। सोशल मीडिया पर एंटी-इंडियन पोस्ट्स 2024-25 में 75 प्रतिशत बढ़ गए। भारतीयों को 'स्कैमर', 'गंदे' या 'जॉब चोर' कहा जा रहा है।

तो क्या 2026 में वाक़ई भारतीयों पर बड़े हमले होंगे? फॉर्नी की धमकी एक व्यक्ति की है, लेकिन नफरत बढ़ रही है, इसमें शक़ नहीं।

2025 में हिंदू मंदिरों पर कई हमले हुए- इंडियाना के ग्रीनवुड में BAPS मंदिर पर एंटी-इंडिया ग्रैफिटी, कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स में सबसे बड़े मंदिर पर 'हिंदुस्तान मुर्दाबाद' लिखा गया, यूटा में इस्कॉन मंदिर पर गोलियां चलाई गईं। ये हमले ज्यादातर प्रो-खालिस्तानी तत्वों की ओर से किये गये बताये जाते हैं लेकिन कुछ में व्हाइट सुप्रीमेसिस्ट (श्वेत वर्चस्ववादी) समूहों का हाथ भी था। अतीत में 1980 के दशक में 'डॉटबस्टर्स' गैंग ने न्यू जर्सी में भारतीयों पर हमले किए। 9/11 के बाद सिखों को मुस्लिम समझकर टारगेट किया गया लेकिन बड़े पैमाने पर बॉम्बिंग या मास शूटिंग नहीं हुई। लेकिन भारतीयों के खिलाफ़ नफ़रत की ताज़ा लहर चौंकाती है।

पिछले दिनों अवैध ढंग से अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को सैन्य विमानों से वापस भेजा गया था, हथकड़ी बेड़ी लगाकर। यह एक अमानवीय हरकत थी। ख़तरनाक अपराधियों की तरह व्यवहार किया गया था। जबकि भारत के प्रधानमंत्री राष्ट्रपति ट्रंप को अपना जिगरी दोस्त बताते थकते नहीं हैं। नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी को कौन भूल सकता है।

यह 'हाउडी मोदी' इवेंट का जवाबी कार्यक्रम था। 22 सितंबर 2019 को अमेरिका के ह्यूस्टन (टेक्सास) में 'हाउडी मोदी' इवेंट हुआ था। जिसमें 50 हजार से ज्यादा भारतीय-अमेरिकी शामिल हुए और ट्रंप भी मौजूद थे। यहाँ मोदी ने नारा लगाया था, 'अबकी बार ट्रंप सरकार।' यह कूटनीति के लिहाज़ से एक ग़लत फ़ैसला माना गया था, ख़ासतौर पर जब ट्रंप चुनाव हार गये और जो बाइडन नये राष्ट्रपति बने थे। लेकिन मोदी जी की अब ट्रंप को कोई परवाह नहीं है। जिस तरह हथकड़ी बेड़ी में भारतीयों को उन्होंने वापस भेजा, इससे यही संकेत मिलता है। इधर वे व्यापार संधि के लिए भारत को लगातार दबाव में लेने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में उनके समर्थकों का भारतीयों के ख़िलाफ़ नफ़रत फैलाना सामान्य नहीं लगता। ट्रंप जिस रास्ते पर चले हैं, यह उसका स्वाभाविक नतीजा है। नफ़रत फैलाकर वोट तो बटोरे जा सकते हैं, लेकिन सुख शांति की उम्मीद करना व्यर्थ है। यह बात जितनी अमेरिका के लिए सही है, उतनी ही भारत के लिए भी।

(सत्य हिंदी पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

नए साल से पहले देशभर के धार्मिक स्थलों पर भक्तों का सैलाब

काशी-वृंदावन में 5 लाख श्रद्धालु

- अयोध्या में 2 किमी लंबी लाइन, खाटूश्याम में डेढ़ घंटे में दर्शन हो रहे, उज्जैन महाकाल में 12 लाख भक्त

लखनऊ/जयपुर/भोपाल (एजेंसी)। नए साल से पहले देशभर के धार्मिक स्थलों पर भक्तों का सैलाब सा उमड़ पड़ा है। वृंदावन में 2 लाख और काशी विश्वनाथ में 3 लाख श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए 2-2 किलोमीटर लंबी लाइनें लगी थीं। बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन ने 5 जनवरी तक वृंदावन न आने की अपील की है। राजस्थान के सीकर में खाटूश्यामजी के डेढ़ घंटे में श्रद्धालुओं को दर्शन हो पा रहे हैं। नए साल पर उज्जैन महाकाल के दरबार में 12 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

ट्रम्प बोले- ईरान पर फिर हमला करेंगे

- कहा- दोबारा न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू न करे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने को कहा है कि अगर ईरान दोबारा अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को शुरू करने की कोशिश करता है, तो अमेरिका उस पर एक और बड़ा हमला कर सकता है।

इसके साथ ही ट्रम्प ने फिलिस्तीनी संगठन हमास को चेतावनी दी कि अगर उसने हथियार नहीं डाले, तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

अल्मोड़ा में बस 160 फीट खाई में गिरी

7 की मौत, 12 गंभीर

- हादसे पर पीएम ने जताया दुख

नैनीताल (एजेंसी)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में मंगलवार की सुबह यात्रियों से भरी बस 160 फीट गहरी खाई में गिर गई, जिससे 7 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 12 से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर है। हादसा भिकियासैंण-रामनगर मार्ग पर शीलापानी (विनायक क्षेत्र) के पास सुबह करीब 8 बजे हुआ, जिसकी दूरी भिकियासैंण से लगभग 8 किलोमीटर आगे है।

बस द्वाराहाट-भिकियासैंण-बासोट होते हुए रामनगर जा रही थी। तभी ड्राइवर ने अचानक बस से कंट्रोल खो दिया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मौके पर पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम पहुंची, जिसके बाद ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू चलाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया और पीएमओ ने एक्स पर लिखा-हादसे में लोगों की जान जाने की खबर अत्यंत दुखद है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

मुख्यमंत्री निवास पर हुआ 'सशक्त और समर्थ नारी' संवाद कार्यक्रम

मातृ सत्तात्मक संस्कृति से मिले हैं नारी सम्मान के संस्कार : सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश की सभी माताओं-बहनों के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। केंद्र सरकार ने देश की संसद में आधी आबादी को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। प्रदेश के नगरीय निकायों और शासकीय सेवाओं में भी 35 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बहनें आज भारतीय सेनाओं में भी शीर्ष पद प्राप्त करते हुए आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश की बहनें आर्थिक-सामाजिक रूप से संपन्न और आत्मविश्वास से भरी हों, इस उद्देश्य से हमारी सरकार ने अनेक कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को उद्योग स्थापित करने के लिए सब्सिडी दी जाती है। साथ ही अधिक से अधिक बहनें संपत्ति की मालिक बनें, इसके लिए रजिस्ट्री में अतिरिक्त 2 प्रतिशत छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को 'सशक्त नारी-समर्थ नारी' संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री निवास पधारी प्रबुद्ध महिलाओं, आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं तथा ड्रोन दीदीयों से आत्मीय चर्चा में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों के साथ समूह चित्र भी खिंचवाया। बालिका सरगम कुशवाह ने मधुर देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेटी सरगम को 51 हजार रूपए की राशि सम्मान और प्रोत्साहन स्वरूप देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहन-बेटियों से इस प्रकार संवाद का क्रम आगामी माहों में भी जारी रहेगा।

अनूठा आयोजन - सीधा संवाद

प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही बहनों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीधा संवाद किया। इस अनूठे आयोजन में स्वास्थ्य, शिक्षा, टेक्सटाइल, व्यापार और अन्य क्षेत्रों में सक्रिय बहनों ने अपने अनुभव, चुनौतियां और नवाचार साझा किए। संवाद की शुरुआत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह केवल संवाद नहीं, बल्कि समाज की उस जीवंत परंपरा का विस्तार है ।

माँ के दिये संस्कार हैं हमारी धरोहर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों से संवाद करते हुए कहा कि माँ द्वारा दिए गए संस्कार हमारी धरोहर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी माँ का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि उनकी माँ उनमें और उनके मित्रों में कोई भेद नहीं करती थीं। सबको समान रूप से प्रेम और स्नेह मिलता था। उनका प्रयास है कि माँ के दिये संस्कारों के अनुरूप वे भी कार्य कर सके।

हमने प्रशासन की ज़िम्मेदारी दी है नारी शक्ति के हाथ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवाद करते हुए कहा कि आज प्रदेश के 17 जिलों में महिलाएं कलेक्टर हैं। इसके साथ ही प्रदेश के 16 में से 9 नगरीय निकायों में महिलाएं महापौर हैं। इनमें 7321 पार्षदों में 4154 महिलाएं पार्षद हैं। इसी प्रकार 875 जिला पंचायत सदस्यों में 519 महिलाएं और 6771 जनपद पंचायत सदस्यों में 4068 महिलाएं सदस्य हैं।

मुख्यमंत्री ने सरगम के सुर को किया सम्मानित, 51 हजार रुपए का दिया नगद पुरस्कार

कार्यक्रम के दौरान बालिका सरगम कुशवाह ने राष्ट्र भक्ति गीत गाया। उसकी सुरमई और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकृष्ट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरगम की प्रतिभा की सराहना करते हुए उसे कंठ कोकिला कहकर संबोधित किया और 51 हजार रुपए का पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। सरगम के सुरों से निकले 51 हजार रुपए नन्ही प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के प्रति मुख्यमंत्री की संवेदनशील सोच को दर्शाते हैं।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया का निधन

- प्रधानमंत्री बनीं तो भारत का विरोध किया, पीएम मोदी ने दुख जताया

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 6 बजे ढाका में निधन हो गया। वे 80 साल की थीं और पिछले करीब 20 दिनों से वेंटिलेटर पर थीं। खालिदा 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पत्नी थीं। भारत को लेकर खालिदा जिया का रुख ज्यादातर समय टकराव वाला रहा था। वह बार-बार कहती थीं कि बांग्लादेश की संप्रभुता और सुरक्षा सबसे ऊपर है। प्रधानमंत्री रहते हुए खालिदा जिया ने भारत को बांग्लादेश की जमीन से होकर रास्ता देने का विरोध किया। पीएम मोदी ने निधन पर दुख जताया।

शरद की सुबह

उसने प्रेम किया
हवा के एक झोंके से
जिसका कोई ठिकाना नहीं
कब बहेगा किधर, पता नहीं
ठहरेगा कहीं या आंधी में
बदल जायेगा, पता नहीं
वह ढूंढती रही जंगल के बीच
खो गयी बयार को
वह पीछा करती रही पत्तों
से मिले इशारों का
एक झोंके ने उसे बहुत सताया
वह एक पल आंधी बना
और दूसरे पल एक सूखे
पत्ते के साथ गिर गया
जमीन पर
वह कहां गया पता नहीं
वह ताकती रही चुप पेड़ों के शिखरों पर
वह इंतजार करती रही
नीचे पड़ी किसी
पत्ती के उड़ने का
सदियों से वह भागती रही
एक आवारा झोंके के पीछे
वह स्त्री भर नहीं थी
वह प्रेम थी, हवा के एक झोंके
के आलिंगन में बंधी
हवा का झोंका ठंडा पड़ गया है
लेकिन वह है आज भी उसके पीछे
उसके प्रेम में घुली हुई।

- सुभाष राय

भोपाल का तापमान
अधिकतम 25 °c
न्यूनतम 22°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 31 दिसंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

प्रियंका गांधी के बेटे रेहान की सगाई, अपनी मंगेतर संग की टाइगर-सफारी

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। सवाई माधोपुर के रणथंभौर में न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर पर्यटकों की भारी भीड़ है। वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा भी मंगलवार को यहां पहुंचीं। प्रियंका गांधी के बेटे रेहान वाड्रा ने अपनी मंगेतर अवीवा के साथ टाइगर सफारी की और साइटिंग का लुत्फ लिया। दोनों कैप पहने हुए दिखाई दिए।

सगाई में वाड्रा, गांधी और बेग परिवार के करीबी लोग ही मौजूद थे- वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और बिजनेस मैन रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा की गर्लफ्रेंड अविवा बेग से सगाई की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि रेहान और अविवा 7 साल से रिलेशनशिप में हैं। दोनों को ही फोटोग्राफी का शौक है। बताया जा रहा है कि परिवार 4 दिन तक रणथम्भौर में रुकेगा। चर्चा है कि रेहान और अवीवा बेग की रिंग सेरेमनी हो सकती है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। होटल शेर बाग के मालिक जैसल सिंह के बेटे का बुधवार को जन्मदिन है। इसमें पूरे परिवार के शामिल होने की संभावना है।

अटल जी ने सत्ता को सेवा का साधन बनाया : अग्रवाल

भोपाल। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री कार्यकाल में सुशासन की दिशा में उठा, गए कदमों पर भोपाल नगर निगम में सुशासन सम्मेलन का आयोजन किया गया। भाजपा के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल सम्मेलन के मुख्य वक्ता थे। अपने संबोधन में रजनीश अग्रवाल ने कहा कि हुए स्वराज को सुराज या सुशासन में बदलने का कार्य अटल जी ने किया। अटल जी ने सत्ता को सेवा और सुशासन का उपकरण बनाया। आम व्यक्ति के दैनंदिन जीवन में जरूरी सुविधाओं की आपूर्ति हो या उसके मूल विकास में हिस्सेदारी हो अटल जी की सरकार ने की। बिजली प्रधानमंत्री सड़क से लेकर स्वर्णिम चतुर्भुज योजना एक्सप्रेस हाईवे घरेलू गैस दूर संचार में क्रांति आर्थिक

उदारीकरण, बीपीएल की अवधारणा, सूचना का अधिकार, शिक्षा का मौलिक अधिकार, अंतोदय अन्न योजना, संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना जैसी कई योजनाएं हैं जिसका श्रेय कांग्रेस की सरकार ने बाद में लेने का प्रयास भी किया। तब की संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना कई पड़ाव से गुजरती हुई आज विकसित भारत जी राम जी के रूप में सामने है।

उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार संसद में रखने वाली अटल जी की सरकार ही थी। अंतोदय अन्न योजना शुरू हुई जिसने लक्षण गरीबी रेखा के लोगों को राशन उपलब्ध कराया जो आज मोदी जी के निःशुल्क राशन योजना में परिणत हो चुकी है। संविधान की 86 में संशोधन करते हुए 14 वर्ष तक के बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा देने का कार्य अटल जी की सरकार ने किया सर्व शिक्षा अभियान और स्कूल चले हम अभियान को कोई नहीं भूल सकता। पोकरण में परमाणु परीक्षण मात्र किसी देश को डराने धमकाने के लिए नहीं बल्कि भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रतिभा का उच्चतम प्रदर्शन और हमारी आर्थिक एवं वैज्ञानिक समृद्धि का भी उदाहरण था।

कार्यक्रम में महापौर मालती राय, जिला भाजपा अध्यक्ष रवींद्र यति, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, कार्यक्रम संयोजक मनोज राठौर, निगम कमिश्नर संस्कृति जैन मौजूद थे।

संघ व भाजपा की तारीफ 'प्रेशर पॉलिटिक्स' का हिस्सा : डॉ. नरोत्तम मिश्रा

भोपाल। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की हालिया टिप्पणी को पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने राज्यसभा के लिए 'प्रेशर पॉलिटिक्स' करार दिया है।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि 'दिग्विजय सिंह जी आज संघ की तारीफ कर रहे हैं, तो ओसामा बिन लादेन की आत्मा दोजख में जार-जार रो रही होगी और जाकिर नाइक खुद को अनाथ सा महसूस कर रहा होगा।' उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस नेता ने कभी 'भगवा आतंकवाद' जैसे शब्द गढ़े, उसी के मुंह से आज संघ और राम-राम की बातें आना राजनीतिक स्वार्थ को उजागर करता है।

पूर्व गृह मंत्री ने सवाल उठाया कि क्या यह बदला हुआ सुर वास्तव में वैचारिक परिवर्तन है या फिर राज्यसभा की सीट को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर बनाया जा रहा दबाव। उन्होंने कहा कि '2020 में भी राज्यसभा जाने के लिए सरकार को हिलाने की कोशिश हुई थी। अब दो महीने बाद फिर राज्यसभा चुनाव हैं, इसलिए वही पुरानी रणनीति दोहराई जा रही है।'

डॉ. मिश्रा ने आरोप लगाया कि यह बयानबाजी कांग्रेस हाईकमान को संदेश देने की कोशिश है, ताकि टिकट और दावेदारी को मजबूत किया जा सके। उनके मुताबिक दिग्विजय सिंह की संघ प्रशंसा आत्ममंथन नहीं, बल्कि सत्ता और पद की राजनीति का हिस्सा है।

● अमेरिकी थिंक टैंक का दावा

26 में भारत-पाक युद्ध संभव

● कश्मीर में आतंकी गतिविधि वजह बनेगी, दोनों देशों ने हथियारों की खरीद बढ़ाई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के बड़े थिंक टैंक काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (सीएफआर) ने चेतावनी दी है कि 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच फिर युद्ध हो सकता है। सीएफआर की रिपोर्ट 'कॉन्फ्लिक्ट्स टू वॉच इन 2026' के अनुसार, कश्मीर में आतंकी गतिविधियां बढ़ने से दोनों देशों के बीच टकराव की मध्यम संभावना है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष होता है, तो उसका असर अमेरिका के हितों पर भी मध्यम स्तर तक पड़ सकता है। हालांकि जम्मू-कश्मीर में अभी कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं हुआ है, लेकिन खुफिया एजेंसियों के अनुसार इस सर्दी में जम्मू क्षेत्र में 30 से ज्यादा पाकिस्तानी आतंकी सक्रिय हैं।

इधर भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्ष विराम के बावजूद दोनों देशों ने हथियारों की खरीद तेज कर दी है।

● **अमेरिकी नीति निर्धारकों के लिए चेतावनी**- सीएफआर की यह रिपोर्ट अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञों के सर्वे पर आधारित है। इसका मकसद अमेरिकी नीति-निर्माताओं को उन क्षेत्रों के बारे में सतर्क करना है, जहां भविष्य में संघर्ष भड़क सकता है।

● **अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष की भी आशंका**- रिपोर्ट में एक और बड़े खतरे की ओर इशारा किया गया है। सीएफआर के मुताबिक, 2026 में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी सशस्त्र संघर्ष की मध्यम संभावना है।

रूस-यूक्रेन युद्ध समेत 4 बड़े खतरे और

● रूस-यूक्रेन युद्ध : 2026 में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और तेज हो सकता है। दोनों देश एक-दूसरे के शहरों और अहम ढांचों पर हमले बढ़ा सकते हैं। इससे यूरोप की सुरक्षा पर बड़ा असर पड़ेगा और अमेरिका के सीधे दखल की आशंका भी बनी रहेगी। ● गाजा और वेस्ट बैंक में हिंसा : इजरायल और फिलिस्तीनियों के बीच गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में संघर्ष बढ़ने की संभावना है। हमास और इजरायली सेना के बीच टकराव से मानवीय संकट और गहराएगा, जिससे पूरा मध्य पूर्व अस्थिर हो सकता है। ● चीन-ताइवान तनाव : चीन का ताइवान पर बढ़ता दबाव 2026 में बड़े सैन्य संकट का रूप ले सकता है। रिपोर्ट के अनुसार यह टकराव अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को सीधे युद्ध में खींच सकता है, इसलिए इसे उच्च प्रभाव वाला खतरा माना गया है।

दुग्ध उत्पादन तथा प्रोसेसिंग में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और रोजगार की अपार संभावनाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों की आय बढ़ाने में दुग्ध उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के दुग्ध उत्पादन को औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का भी आधार बनाया जाए। दुग्ध उत्पादन तथा उसकी प्रोसेसिंग व मार्केटिंग में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इसके साथ ही दुग्ध उत्पादन कृषकों की आय बढ़ाने में भी प्रभावी रूप से सहायक है। सभी जिलों में समन्वित रूप से गतिविधियों संचालित करते हुए सांची ब्राण्ड का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए। सांची प्रोडेक्ट्स की ब्राण्डिंग में गोवंश और गोपाल को शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन तथा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य हुए एग्रीमेंट के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय संचालन समिति की बैठक में दिए। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई बैठक में वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास उमाकांत उमराव तथा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के पदाधिकारी

उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने में दुग्ध उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों की दक्षता और क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम स्तर तक गतिविधियां संचालित की जाएं। यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि दुग्ध संकलन व्यवस्था की मजबूत निगरानी हो। दूध खरीदी की कीमतें उत्पादकों के लिए लाभप्रद हों और खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित हो तथा दुग्ध उत्पादकों को उनका भुगतान नियमित रूप से समय-सीमा में प्राप्त हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पीपीपी मोड पर निजी भागीदारी और डेयरी सहकारी समितियों के समन्वय से दुग्ध उत्पादन गतिविधियों का विस्तार किया जाए। इससे सम्पूर्ण प्रदेश में उद्यमशीलता को प्रोत्साहन प्रदान करने, किसानों की आय बढ़ाने और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में डेयरी टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं। इससे डेयरी प्लांट संचालन में मदद मिलेगी और युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात सांची ब्राण्ड के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है तथा सांची डेयरी शुरू करने की मांग कई स्थानों से आ रही है।

सलमान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान पर चीन में नाराजगी

● कहा- ट्रेलर हकीकत से दूर, चीनी मीडिया बोला- अभी इसका रिलीज होना गलत

बीजिंग (एजेंसी)। सलमान खान की आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चीन में आलोचना शुरू हो गई है। फिल्म के सीन्स को हकीकत से अलग बताया जा रहा है। कई लोग इसके ट्रेलर के कुछ सीन की हॉलीवुड के गेम ऑफ थ्रोन्स से तुलना कर रहे हैं। चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने इस फिल्म को लेकर एक आर्टिकल भी छापा है, जिसका टाइटल है- 'बैटल ऑफ गलवान' फिल्म पर विवाद, फिल्म चाहे कितनी भी नाटकीय हो, देश की सीमा पर असर नहीं डाल सकती। अखबार एक चीनी एक्सपर्ट के हवाले से लिखता है कि जब चीन और भारत के रिश्तों में सुधार हो रहा है तो इस फिल्म का रिलीज होना गलत है।

पीएम मोदी ने 2026-27 के बजट से पहले अर्थशास्त्रियों से मुलाकात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बजट 2026 पर विचार-विमर्श करने के लिए देश के प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और आर्थिक क्षेत्र विशेषज्ञों से मुलाकात की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह बैठक सुबह 11 बजे शुरू हुई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम, आयोग के अन्य सदस्य, अर्थशास्त्री और क्षेत्रीय विशेषज्ञ भी बैठक में उपस्थित हैं।

ममता घुसपैठ नहीं रोक सकतीं : अमित शाह

● हमारी सरकार बनी तो परिंदा भी पर मार नहीं सकता

शकुनि का चेला जानकारी लेने आया : सीएम ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि शकुनि का चेला दुशासन बंगाल में जानकारी जुटाने आया है। जैसे ही चुनाव आते हैं, दुशासन और दुर्योधन दिखाई देने लगते हैं। आज बीजेपी कह रही है कि ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो फिर पेट्रापोल और अंडाल में जमीन किसने दी?

बांकुरा में आयोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा- बीजेपी कहती है कि घुसपैठिए सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगाम में हमला आपने कराया था? दिल्ली में जो घटना हुई, उसके पीछे कौन था? बीजेपी एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान कर रही है।

ममता का ये बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर आया है। पश्चिम बंगाल दौरे के दूसरे दिन शाह ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता सरकार घुसपैठ को रोक नहीं पा रही है। अगर राज्य में भाजपा सरकार बनी तो यहां परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा।

सोशल मीडिया पोस्ट पर अहमदाबाद में दो गुटों में पथराव

● 40 लोग गिरफ्तार, दो दिन में दो बार हिंसक झड़प

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के साणंद में स्थित कालाना गांव में मंगलवार सुबह दो समुदायों के लोगों के बीच हिंसक झड़प हो गई। यह विवाद पुरानी रंजिश को लेकर हुआ और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थरबाजी की। हिंसा का लाइव वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने 40 लोगों को हिरासत में लिया है। गांव में भारी पुलिस बल तैनात है।

युवक की पिटाई के बाद पथराव- जानकारी के मुताबिक गांव में रहने वाले युवाओं के दो गुटों के बीच पिछले कई सालों से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट को लेकर विवाद चल रहा है।

सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट को लेकर केंद्र की चेतावनी

● एडवाइडरी में कहा- कंपनियां ऐसे कंटेंट पर रोक लगाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अश्लील कंटेंट को लेकर चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि कंपनियां अश्लील, भद्दे, पोर्नोग्राफिक, बच्चों से जुड़े यौन शोषण वाले और दूसरे तरह के गैर-कानूनी कंटेंट पर तुरंत रोक लगाएं। यदि कंपनियां ऐक्शन नहीं लेंगी तो उन पर केस चलेगा।

मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी (Meity) ने ये एडवाइजरी सोमवार को जारी की थी। मंगलवार को रिपोर्ट जारी कर बताया कि एडवाइजरी में इंटरनेट प्लेटफॉर्म को आईटी एक्ट के संबंध में अपने कंप्लायंस फ्रेमवर्क की समीक्षा करने के लिए कहा गया है।

मंत्रालय ने कहा-सोशल मीडिया इंटरमीडियरी सहित अन्य इंटरमीडियरी को याद दिलाया जाता है कि वे आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत कानूनी रूप से बाध्य हैं।

प्रयागराज

शीतलहर-कोहरे का कहर

● कई जगह दृश्यता शून्य, 600 उड़ानें और 100 ट्रेनें प्रभावित

आज और गिर सकता है पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे उत्तर भारत में भीषण शीतलहर जारी है। घने कोहरे का असर यातायात संसाधनों पर भी देखने को मिला है। भीषण कोहरे के चलते 600 उड़ानें प्रभावित हुई और 100 से अधिक ट्रेनें लेट हुई हैं। इंडिगो ने सोमवार को खराब मौसम और ऑपरेशनल कारणों के चलते 118 उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें से छह उड़ानें ऑपरेशनल कारणों के चलते रद्द की गईं, जबकि बाकी अलग-अलग हवाई अड्डे पर खराब मौसम की वजह से कैंसिल हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, कुछ जगहों पर मंगलवार को दिन के तापमान में सामान्य से 4-5 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

फ्लाइट लेट तो खाना और रिफंड पक्का, उड़ान रद्द होने पर सरकार की नई एडवाइजरी, कंपनियों को सख्त निर्देश- उत्तर भारत में घने कोहरे की वजह से हवाई यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। दिल्ली एयरपोर्ट पर मंगलवार को कम विजिबिलिटी के कारण बड़ा असर पड़ा, जहां सैकड़ों यात्री परेशान हुए। कोहरे की वजह से उड़ानें देरी से चल रही हैं, कई रद्द हो गई दूसरे एयरपोर्ट पर भेजना पड़ा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने तुरंत कदम उठाते हुए एयरलाइंस को सख्त निर्देश दिए हैं।

86 जनजातीय विकासखण्डों में बनेंगे कला भवन, जनजातीय कलाओं को मिलेगा जी.आई. टैग

प्रत्येक जनजातीय विकासखण्ड में खुलेगा सांदीपनि विद्यालय : डॉ. कुंवर विजय शाह

जनजाति क्षेत्र के स्कूलों में होगी स्मार्ट क्लास

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में आगामी तीन सालों में जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सुविधाओं में अभूतपूर्व विस्तार किया जाएगा। प्रत्येक जनजातीय विकासखण्ड में सांदीपनि विद्यालय की स्थापना की जायेगी। आगामी 3 वर्षों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। अधोसंरचना, स्मार्ट क्लास, लैब एवं लाइब्रेरी सुविधाओं का उन्नयन किया जायेगा। प्रत्येक जनजातीय विकासखण्ड में एकलव्य विद्यालय, माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर और बालक आदर्श आवासीय विद्यालय की स्थापना की जायेगी।

जनजातीय श्रद्धा एवं पूजा स्थलों का उन्नयन किया जायेगा। जनजातीय समाज की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के लिए 86 जनजातीय विकासखण्डों में कला भवन की स्थापना की जायेगी। यह जानकारी जनजातीय कार्य मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह ने मंगलवार को 2 साल की विभागीय उपलब्धियों पर आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

जनजातीय कलाओं को जी. आई.टैग- डा शाह ने कहा कि डिंडोरी जिले की गोंड पेंटिंग को जी.आई. टैग प्राप्त हुआ है। सात उत्पादों की जी.आई. टैग की प्रक्रिया प्रचलित है, जिसमें भील जनजाति के गलशन माला, बोलनी, पिथौरा चित्रशैली, झाबुआ आदिवासी गुड़िया एवं गोंड जनजाति समूह के वाद्य यंत्र बाना चिकारा तथा मुखौटा काष्ठ शिल्प शामिल हैं।

जनजातीय कैफेटेरिया- डा. शाह ने बताया कि गुजरात के केवड़िया में संचालित जनजातीय महिला कैफेटेरिया की तर्ज पर पचमढ़ी, मांडू, कान्हा-किसली, पेंच एवं बांधवगढ़ में कैफेटेरिया का निर्माण किया जा रहा है। जनजातीय स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कैफेटेरिया का संचालन किया जायेगा। इससे जनजातीय महिलाओं को आजीविका का साधन मिलेगा तथा जनजातीय संस्कृति का भी संरक्षण होगा।

पीएम जनमन

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान की चर्चा करते हुए डा शाह ने बताया कि 13 लाख 43 हजार से अधिक जनजातीय जनसंख्या लाभान्वित हो रही है । यह अभियान में 9 मंत्रालयों की 11 अधोसंरचनात्मक एवं 07 हितग्राही मूलक योजनाओं के माध्यम से अत्यंत पिछड़ी जनजातियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

हितग्राही मूलक योजनाओं में पिछले 02 वर्षों में 1099125 आधार कार्ड, 596931 जनधन बैंक खाता, 723236 आयुष्मान भारत, 1001220 जाति प्रमाण पत्र, 59455 किमान क्रेडिट कार्ड, 88899 पीएम किसान सम्मन निधि और 301964 राशन कार्ड बनाए गए।

पीएम आवास

डॉ. शाह ने बताया कि अब तक 1 लाख 30 हजार से अधिक मकान पूर्ण कर लिए गए है। ऑन-ग्रिड बिजली के माध्यम से 26 हजार 810 से अधिक घरों में बिजली प्रदाय की गई है। ऑफ-ग्रिड सोलर विद्युतीकरण के माध्यम से 1 हजार 122 घरों में बिजली प्रदाय की गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 237 कि.मी. सड़कों का निर्माण कर लिया गया है। उन्होने बताया कि 125 बहुउद्देशीय केंद्र स्वीकृत किये गये है। अब तक 49 भवनों का निर्माण पूरा कर लिया गया है और 217 आंगनवाड़ियों के निर्माण कार्य चल रहे हैं।

मोबाइल कनेक्टिविटी के अंतर्गत 157 बसाहटों में 137 टावर स्वीकृत किए गए है, जिसमें से 46 टावर ऑन-एयर कर दिए गए है। हर घर नल से जल में 1 हजार 838 ग्रामों में कार्य पूर्ण कर 8 लाख 63 हजार परिवारों को हर घर नल से जल की सुविधा प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि 58 वन धन विकास केन्द्रों का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। 106 छात्रावास भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जनजातीय क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की गई है।

हिंदी में नोटिस जारी करने के बाद बढ़ा आयकर राजस्व

अंग्रेजी का नोटिस पुटअप नहीं करते थे बाबू, भाषा बदली तो जमा हुए 500 करोड़

भोपाल (नप्र)। आयकर विभाग ने सरकारी विभागों को जारी किए जाने नोटिस अब अंग्रेजी के बजाय हिन्दी में भेजना शुरू कर दिया है। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि विभाग को राज्य सरकार के विभागों से टीडीएस कटौती नहीं किए जाने के मामले में यह जानकारी मिली थी कि कई दफ्तरों के बाबू ने अंग्रेजी में भेजे गए नोटिस को न समझ पाने के चलते टेबल की फाइलों में दबाकर रख दिया था। इसकी जानकारी सामने आने के बाद इनकम टैक्स टीडीएस कमिश्नर ने नोटिस हिन्दी में जारी करना शुरू किया तो अच्छे रिजल्ट आए और करोड़ों का टीडीएस राजस्व इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के खाते में बढ़ गया।

दरअसल इनकम टैक्स के अफसरों को टीडीएस का अंग्रेजी में जारी हुआ नोटिस जारी किए जाने की जानकारी अपर कलेक्टर स्तर के अफसरों ने तब दी जब इनकम टैक्स कमिश्नर के यहां से तीन बार नोटिस जारी किए जाने के बाद भी कोई रिएक्शन राज्य सरकार के विभाग से नहीं आया और इसके बाद अभियोजन नोटिस इनकम टैक्स की ओर से भेजा गया।

दरअसल इनकम टैक्स की टीडीएस विंग ने आयकर अधिनियम की धारा 194- एलए के अंतर्गत भू-अर्जन के मुआवजे पर टीडीएस न कटने को लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की थी। इनकम टैक्स टीडीएस कमिश्नर भारती सिंह के अनुसार राज्य शासन के बुंदेलखंड एरिया के अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारी अभियोजन नोटिस जारी होने के बाद जब हाजिर हुए तो टीडीएस कटौती न होने की असली वजह बताई। अधिकारी ने कहा कि अंग्रेजी के नोटिस में गलती न हो जाए, इस डर से बाबू अंग्रेजी नोटिस की फाइल अधिकारियों तक पुटअप ही नहीं करते थे। इसका नतीजा यह हुआ कि मुआवजे की बड़ी राशि बिना टैक्स कटे ही बंटती रही और सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ। इसके बाद हिन्दी में नोटिस और पत्राचार सरकारी विभागों को किए जाने का फैसला लिया गया।

चालू वित्त वर्ष में 53100 करोड़ कर्ज लिया सरकार ने

गुजरते वर्ष के दो दिन पहले 3500 करोड़ का कर्ज उठाया मोहन सरकार ने

भोपाल (नप्र)। 2025 के जाने से पहले मोहन सरकार ने बाजार से 3500 करोड़ रुपए का नया कर्ज उठा लिया है। इसके बाद चालू वित्त वर्ष में मोहन सरकार द्वारा लिया गया कर्ज 53100 करोड़ तक पहुंच गया है। आरबीआई के जरिए 30 दिसंबर को तीन किस्तों में यह कर्ज लिया गया है जिसका भुगतान सरकार को 31 दिसम्बर को होने वाला है। इसके पहले शीतकालीन सत्र की शुरुआत के दौरान सरकार ने बाजार से कर्ज लिया था। वित्त वर्ष की शुरुआत के पहले सरकार पर 4 लाख 21 हजार करोड़ रुपए का कर्ज था। मोहन सरकार का आज लिया गया पहला कर्ज 1200 करोड़ रुपए का है जो 5 साल के लिए है और इसका ब्याज के साथ सरकार 31 दिसम्बर 2030 तक भुगतान करेगी। इस राशि से कृषि योजनाओं, सिंचाई और पावर प्रोजेक्ट्स, कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में काम होगा। दूसरा लोन 11 साल के लिए लिया जा रहा है। इस कर्ज की राशि भी 1200 करोड़ रुपए है जो 31 दिसम्बर 2036 तक के लिए है। तीसरा कर्ज 1100 करोड़ रुपए का है जो 23 साल की अवधि में ब्याज के साथ चुकता किया जाएगा। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा बार-बार कर्ज लिए जाने को लेकर इसी माह स्पष्ट कर चुके हैं कि कर्ज नहीं यह निवेश है और यह कर्ज प्रदेश में विकास कार्यों, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की खातिर लिया जाता है और इसी में उसका उपयोग होता है।

युवकों का सिर कुचला, सड़क किनारे मिले शव

पास ही कट्टा पड़ा मिला ; छतरपुर में मृतकों के परिजन का आरोप- हत्या हुई

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर के ईशानगर में सड़क किनारे बाइक सवार दो दोस्तों के शव बुरी हालत में मिले हैं। शवों के पास देसी कट्टा और मोबाइल पड़ा मिला है। परिजन ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि सिर कुचलकर हत्या की गई है।

मामला पनौठा और जनकपुर के बीच सोमवार रात करीब 9 बजे का है। मृतकों की पहचान गहरवार निवासी राजेन्द्र यादव (19) और संतोष अनुरागी (18) के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली कि सड़क किनारे दो शव पड़े हैं। मौके पर जाकर देखा गया तो दोनों शवों के बीच करीब 20 कदम की दूरी थी।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

शवों के बीच ही कट्टा और मोबाइल पड़ा हुआ था। पास ही डीलक्स कंपनी की बाइक भी मिली है। शवों की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि पत्थर से सिर कुचल कर हत्या की गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

टीआई ने फंदे से लटके युवक की जान बचाई

सीपीआर देकर दी नई जिंदगी, डीजीपी ने दिया 10 हजार का पुरस्कार

नागदा (नप्र)। उज्जैन के नागदा में एक युवक ने फांसी लगा ली। ये देख उसके पिता इलाके में गश्त कर रहे नागदा थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी के पास दौड़ते हुए पहुंचे।

उन्होंने टीआई को बेटे के फंदे से झूलने की बात कही।

टीआई गवरी तुरंत मौके पर पहुंचे। कमरे का दरवाजा तोड़ा और युवक को फंदे से नीचे उतारा। परिजन युवक को मृत समझकर विलाप कर रहे थे। इधर, टीआई ने युवक को सीपीआर देना शुरू किया। कुछ ही सेकंड में उसके शरीर में हलचल होने लगी।

पुलिस युवक को अस्पताल ले गई। हालात सामान्य होने पर अस्पताल से युवक को छुट्टी दे दी गई है। इस घटना के बाद डीजीपी कैलाश मकवाना ने टीआई 10 हजार रुपए से पुरस्कृत देने के आदेश जारी किए हैं।

जन्मदिन पर मंत्री विश्वास सारंग की अनूठी पहल

जन्मदिन वर्चुअल मनाया, शुभचिंतकों ने किए सेवा कार्य, कंबल बांटे, भोजन कराया ; स्वास्थ्य शिविर भी लगाया

भोपाल (नप्र)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग के आह्वान पर जन्मदिन के अवसर पर प्रदेशभर में उनके शुभचिंतक, कार्यकर्ता और समर्थक सेवा और सामाजिक सरोकार के अनेक कार्यों में जुटे। मंत्री विश्वास सारंग ने इस वर्ष अपना जन्मदिन वर्चुअल माध्यम से मनाने का निर्णय लिया और किसी भी प्रकार के सार्वजनिक आयोजन, शोरगुल या व्यक्तिगत भेंट से दूर रहते हुए जन्मदिन को सेवा और जनकल्याण से जोड़ने का संदेश दिया।

मंत्री के आग्रह के अनुरूप कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने जन्मदिन को सेवा कार्यों के लिए समर्पित किया। विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंद विद्यार्थियों को किताबें और स्टेशनरी वितरित की गई, बेसहारा और असहाय लोगों को गर्म कपड़े और कंबल प्रदान किए गए। भोजन वितरण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ वृक्षारोपण किया गया।

जन्मदिन के अवसर पर मंत्री ने मथुरा में संतजनों को भोजन कराया और गिरिराज धाम में गिरिराज जी के दर्शन-पूजन कर सभी के मंगल और कल्याण की कामना की।मंत्री द्वारा जन्मदिन वर्चुअल रूप से मनाने की अपील का व्यापक प्रभाव देखने को मिला। देशभर से शुभचिंतक, समर्थक और कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया के

माध्यम से उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। मंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शुभकामनाओं के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि जनता का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। जन्मदिन जैसे अवसरों को सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना हम सभी का कर्तव्य है।

कार्यकर्ताओं ने किए सेवा कार्यमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर नरेला विधानसभा क्षेत्र के समस्त वार्डों में सेवा और सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विभिन्न आंगनबाड़ियों में बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित कर उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ प्रत्येक वार्ड में पौधारोपण किया गया। इसके साथ ही विभिन्न वार्डों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इंदौर की केमको फैक्ट्री में आग

दूर तक दिखाई दिया धुआं, फायर ब्रिगेड ने काबू पाया, तीन मंजिला बिल्डिंग गिरी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के लसूडिया इलाके में एमआर 11 के पास मंगलवार दोपहर एक बजे चाकलेट फैक्ट्री में भीषण आगजनी की घटना हो गई। सूचना के बाद यहां पर फायर ब्रिगेड और पुलिस की गाड़ियां पहुंची। आग पर दो घंटे बाद काबू पा लिया गया। जिस बिल्डिंग में आग लगी थी वह पूरी तरह से गिर गई है। जिस बिल्डिंग में फैक्ट्री संचालित थी उसे दिवालीय घोषित किया जा चुका था।

लसूडिया टीआई तारेश सोनी के मुताबिक लसूडिया मोरी के पास केमको चाकलेट फैक्ट्री में कर्मचारियों ने करीब 1 बजे आग लगने की सूचना दी थी। इसके बाद दमकल को भी सूचित किया था। आग के चलते किसी तरह की जनहानि तो नहीं हुई है। आग फैक्ट्री के पीछे के हिस्से में लगी थी। आग के कारण फैक्ट्री में काम कर रहे 3 कर्मचारी घायल हुए हैं। आग के बाद हुए विस्फोट से बिल्डिंग गिरी है। बिल्डिंग मालिक के अनुसार 35 करोड़ का नुकसान होना बताया जा रहा है, लेकिन इस कंपनी की बिल्डिंग का मामला कोर्ट में विचाराधीन था। चाकलेट फैक्ट्री कुछ दिनों से बंद थी और इसमें अभी कोई काम नहीं होता था।

डीजल डालकर लगाई आग, किचन में बंद किया ; परिजन बोले- दो दिन से विवाद चल रहा था

पति ने पत्नी को जिंदा जलाया, मौत

बुरहानपुर (नप्र)। बुरहानपुर में एक युवक ने अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया। उसने पत्नी पर डीजल डालकर आग लगा दी। महिला गंभीर रूप से झुलस गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना बहादरपुर गांव में मंगलवार सुबह करीब 8:30 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, ज्योति (33) और उसके पति अरुण का दो दिन से विवाद चल रहा था। आज सुबह भी दोनों में झगड़ा हुआ और अरुण ने ज्योति को आग के हवाले कर दिया।

ज्योति को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी पति मौका देखकर फरार हो गया। महिला के परिजन ने आरोप लगाया है कि पति अरुण आए दिन ज्योति के साथ मारपीट करता था। उन्होंने सख्त कार्रवाई की मांग की है।

आरोपी को तलाश कर रही पुलिस

लालबाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। लालबाग थाना प्रभारी अमित जादौन ने बताया कि सूचना मिली थी कि पति ने पत्नी को जला दिया है। पति-पत्नी के बीच पहले भी विवाद हो चुके थे।

बहादरपुर के सरपंच प्रतिनिधि विजय उमाले ने बताया कि पड़ोस में मौजूद ज्योति की देवरानी ने उसे बचाने का प्रयास किया, जिससे वह भी झुलसने से बाल-बाल बची। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

पत्नी को किचन में बंद कर आग लगाई

ग्रामीणों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच सोमवार रात से विवाद चल रहा था। मंगलवार सुबह करीब 8:30 बजे दोनों के बीच किसी बात को लेकर फिर झगड़ा हुआ। इसी दौरान आरोपी पति ने पत्नी को किचन में बंद करके आग लगा दी। घटना के समय आरोपी की मां और उनकी दो बेटियां घर पर मौजूद थीं। आरोपी एक तेल कारोबारी के यहां वाहन चालक है और परिवार का खेती-किसानी का भी काम है। ज्योति मूल रूप से जैनाबाद की रहने वाली थी। उसकी शादी बहादरपुर में हुई थी। दंपती की दो बेटियां हैं, जिनकी उम्र पांच और छह साल बताई जा रही है।

किसान की आंख में मिर्ची झोंककर 25 लाख लूटे

उधारी चुकाने जा रहा था ; बदमाश दिनदहाड़े भागे, किसान चिल्लाता रहा, राहगीरों ने नहीं की मदद

अशोकनगर (नप्र)। अशोकनगर में लूटेरों ने किसान की आंखों में मिर्ची झोंकी और 25 लाख रुपयों से भरा बैग छीनकर भाग गए। किसान मदद के चिल्लाता रहा, लेकिन वहां से गुजर रहे लोगों ने मदद नहीं की। आखिरकार एक परिचित वहां से गुजरा, उसने किसान के परिवार को सूचना दी।

घटना मंगलवार सुबह करीब 10 बजे की है। किसान लखबिंदर ने बताया, रामपुरा मोहल्ला निवासी रिश्तेदार जज्जी से रुपए उधार लिए थे। जज्जी को 24 लाख रुपए और एक अन्य व्यक्ति को 1 लाख रुपए देने थे। इस कारण दो बैग में भरे कैश तौलिए में लपेटकर बाइक पर आगे रखे थे।

मोहरी के पास सड़क किनारे खड़े तीन बदमाशों ने किसान को रोका और आंखों में मिर्ची डालकर पैसों से भरा बैग छीन लिया।

मोबाइल लेने घर लौटते समय हुआ हमला

सुबह करीब 10 बजे, घर से थोड़ी दूर पहुंचने पर किसान को याद आया कि वो मोबाइल घर पर भूल गया है। वह मोबाइल लेने के लिए बाइक मोड़कर लौट रहा था। तभी सड़क किनारे खड़े तीनों बदमाशों ने उसे रोक लिया और पास के खेत के बारे में पूछताछ की।

बातचीत के दौरान एक बदमाश के हाथ में पन्नी थी। उसने अचानक झपट्टा मारकर आंखों में मिर्ची डाल दी गई। किसान ने बैग बचाने की कोशिश की, लेकिन दूसरा बदमाश बैग छीनकर फरार हो गया।

सड़क पर चिल्लाया, ग्रामीण ने की मदद

लूट के बाद किसान सड़क पर काफी देर तक चिल्लाते रहा। कुछ लोग वहां से गुजरे, लेकिन मदद नहीं की। बाद में एक ग्रामीण ने उन्हें देखा और परिजनों को सूचना दी। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और किसान को जिला अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने मौके पर जांच शुरू की

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी रवि प्रताप सिंह चौहान और देहात थाना प्रभारी भुवनेश शर्मा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर पानी में डाली हुई मिर्ची भी मिली। जिला अस्पताल पहुंचकर पुलिस ने किसान से घटना संबंधी पूछताछ की।

संपादकीय

संघर्षों से भरा साल 2025 !

बीत रहे वर्ष 2025 की सबसे बड़ी याद और पहचान क्या है, इस सवाल का एक ही जवाब है और वो ये कि यह समूचा साल आपसी संघर्षों और युद्धों में बीता और यह क्रम अभी समाप्त नहीं हुआ है। यूं तो 2025 में सकारात्मक उपलब्धियां कम ही हैं। ऐसी घटनाएं भी नहीं के बराबर हैं, जिनसे समूचे विश्व में शांति और सुकून का संदेश गया हो। अलबत्ता समूची मानवता और मानव सभ्यता को संकट में डालने वाली कई घटनाएं बीते साल में हुई हैं और आगामी वर्ष 2026 में भी इनमें सुधार की बहुत गुंजाइश नजर नहीं आती। आज शांति और भाईचारे की बात करना किसी भूले बिसरे गीत को गुनगुनाने जैसा है। इसका बड़ा कारण तो यह है कि दुनिया उन अति महत्वाकांक्षी, सनकी और आत्ममुग्ध नेताओं की बंधक बन गई है, जिनसे उदारता और उदात्तता की उम्मीद बेमानी है। ये राजनेता अपने स्वार्थों के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और जा भी रहे हैं। विश्व में सत्ता की छीना झपटी तेज हो गई है और अपने विचार दूसरों पर थोपने के लिए आतंक का सहारा लेना अब नई बात नहीं रही। नैतिकता हाशिए पर चली गई है। अपुष्ट आंकड़ों के अनुसार दुनिया इस्लामी आतंकवाद से तो पहले ही जूझ रही थी, अब हर धर्म के कट्टरपंथी दूसरे धर्मों को मानने वालों को खत्म करने का जुनून पाले हैं। मानवीय संवेदनाओं, उदारता, उदात्तता और करूणा का स्तर बहत नीचे चला गया है और जा रहा है। अपुष्ट आंकड़ों के मुताबिक आज अफ्रीका महाद्वीप, मध्यपूर्व एशिया तथा पश्चिम एशिय, पूर्वी यूरोप और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में सशस्त्र संघर्ष और मारकाट जारी है। यह मारकाट सत्ता संघर्ष के साथ साथ धार्मिक कट्टरवाद और ड्रग्स के अवैध धंधों के कारण भी है। इन सभी के लिए कहीं न कहीं से फंडिंग भी हो रही है। मोटे तौर विश्व आज 20 से 30 बड़े सैनिक संघर्ष और 30 से 130 तक छोटे सशस्त्र संघर्ष जारी हैं। इनका विस्तार दुनिया के 78 देशों में है, जो पूरे विश्व के देशों का लगभग 40 फीसदी है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के मुताबिक सशस्त्र संघर्षों का यह आंकड़ा बीती सदी के द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे ज्यादा है। इसकी छाया आने वाले वर्ष में भी दिखेगी। यूं 2025 कई बड़ी घटनाओं का साक्षी रहा है। विश्व के संदर्भ में और भारत की दृष्टि से भी। पहला तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रारंभ टैरिफ वार से पूरी दुनिया में खलबली है। अमेरिका के लिए यह आत्मघाती भी हो सकता है। दुर्लभ मृदा तत्व अब एक रणनीतिक हथियार हैं, यह चीन ने साबित कर दिया है। पिछले साल गृहयुद्ध में झुलस रहे म्यांनमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें साढ़े पांच हजार लोग मारे गए। गाजा में युद्ध विराम हुआ, जिसका प्रभावी क्रियान्वयन अभी होना है। बरसों बाद एक हिंदू मंदिर को लेकर थाईलैंड और कंबोडिया में युद्ध हुआ। रूस यूक्रेन युद्ध अभी भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहली बार एक अमेरिकी कार्डिनल पोप के पद पर चुने गए। भारत के संदर्भ में भारतीय सेना ने सरहद पार किए बगैर पाकिस्तान पर सफल ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार आईसीसी वन-डे वर्ल्ड कप ट्रॉफी अपने नाम की। देश में बीटा जेनरेशन की पहली संतान का जन्म मिजोरम के आइजोल में हुआ। भारत में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने अपनी स्थापना की शताब्दी मनाई। साल 2025 कई मीठी कमल खट्टी यादों के साथ ज्यादा समाप्त हो रहा है। उम्मीद है कि नया साल पूरे विश्व के लिए शांति और सुकून का संदेश लेकर आएगा। अलविदा 2025।

संकट, संतुलन और संभावनाओं की ओर बढ़ती दुनिया

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

जब कोई वर्ष अपने अंत की ओर बढ़ता है, तो आने वाला साल केवल कैलेंडर की तारीख नहीं होता, बल्कि वह अपने साथ आशंकाओं, उम्मीदों और संभावनाओं का एक पूरा संसार लेकर आता है। वर्ष 2025 के अवसान और 2026 के आगमन के साथ विश्व एक ऐसे चौराहे पर खड़ा दिखाई देता है, जहाँ राजनीति, नीति-निर्माण, तकनीक, अर्थव्यवस्था और भू-राजनीति एक-दूसरे में गुँथकर भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं। यह समय केवल भविष्यवाणियों और कयासों का नहीं, बल्कि ठोस रणनीतियों, विवेकपूर्ण निर्णयों और संतुलित दृष्टिकोण का भी है। 2026 को लेकर वैश्विक स्तर पर जो तस्वीर उभरती है, उसमें अनिश्चितता की धुंध है, प्रतिस्पर्धा की तीव्रता है और साथ ही एक सावधान आशावाद भी है, जो बताता है कि संकटों के बीच भी संभावनाओं के द्वार खुले हैं।

इतिहास गवाह है कि जब भी विश्व किसी संक्रमण काल से गुजरता है, तब भविष्य को लेकर भविष्यवाणियाँ चर्चा के केंद्र में आ जाती हैं। फ्रांस के प्रसिद्ध भविष्यवक्ता नोस्ट्राडैमस हों या बुल्गारिया की रहस्यमयी भविष्यवक्ता बाबा वांगा, इनके कथन हर बड़े परिवर्तन से पहले पुनः जीवित हो उठते हैं। 2026 को लेकर भी ऐसी भविष्यवाणियाँ चर्चा में हैं, जिनमें पूर्व और पश्चिम के बीच बढ़ते तनाव, लंबे समय तक चलने वाले युद्ध, रक्तपात और तकनीकी उथल-पुथल का उल्लेख किया जाता है। इन भविष्यवाणियों को पूरी तरह सच मानना न तो संभव है और न ही आवश्यक, परंतु ये संकेत अवश्य देती हैं कि आने वाला समय सहज और सरल नहीं होगा। इन कथनों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी अस्पष्टता है, जो उन्हें विभिन्न संदर्भों में प्रासंगिक बना देती है। यही कारण है कि इतिहासकार और नीति-विश्लेषक इन्हें प्रतीकात्मक चेतावनी के रूप में देखते हैं, न कि शाब्दिक सत्य के रूप में।

वैश्विक राजनीति के परिदृश्य पर दृष्टि डालें, तो 2026 में अनेक देशों में महत्वपूर्ण चुनाव होने की संभावना है, जो अंतरराष्ट्रीय शक्ति-संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, म्यांमार, इथियोपिया जैसे देशों में चुनाव केवल आंतरिक राजनीति का विषय नहीं रह जाते, बल्कि उनका प्रभाव वैश्विक कूटनीति और आर्थिक नीतियों पर भी पड़ता है। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन या निरंतरता, चीन के साथ उसके संबंधों की दिशा तय कर सकती है। रूस-यूक्रेन संघर्ष और पश्चिमी देशों के साथ रूस के तनाव ने पहले ही विश्व को दो ध्रुवों में बाँटने की प्रवृत्ति को तेज कर दिया है। ऐसे में 2026 वह वर्ष हो सकता है, जहाँ वैश्विक राजनीति अधिक स्पष्ट रूप से प्रतिस्पर्धी गुटों में बँटी दिखाई दे।

पूर्व और पश्चिम के बीच बढ़ता तनाव केवल सैन्य या राजनीतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों में भी स्पष्ट दिखाई देता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, व्यापार युद्ध, प्रतिबंधों की राजनीति और तकनीकी प्रभुत्व की होड़ ने अंतरराष्ट्रीय

अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। चीन और अमेरिका के बीच तकनीकी प्रतिस्पर्धा, विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में, आने वाले वर्षों में और तीव्र हो सकती है। यह प्रतिस्पर्धा एक ओर नवाचार को गति देगी, तो दूसरी ओर वैश्विक सहयोग को चुनौती भी देगी।

आर्थिक दृष्टि से 2026 को एक मिश्रित तस्वीर के रूप में देखा जा रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंकाएँ तो हैं, परंतु पूर्ण निराशा का वातावरण नहीं है। विकसित देशों में वृद्ध होती जनसंख्या, बढ़ता सार्वजनिक ऋण और महँगाई जैसी चुनौतियाँ बनी रहेंगी, जबकि विकासशील देशों से अपेक्षा की जा रही है कि वे वैश्विक विकास का इंजन बने रहें। अमेरिका की अर्थव्यवस्था के स्थिर, किंतु धीमी गति से बढ़ने की संभावना है, वहीं यूरोप ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनावों से जूझता रह सकता है। इसके विपरीत, भारत जैसे देशों से अपेक्षा है कि वे घरेलू मांग, संरचनात्मक सुधारों और तकनीकी निवेश के बल पर वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। भारत के संदर्भ में 2026 अत्यंत महत्वपूर्ण वर्ष सिद्ध हो सकता है। देश के भीतर कई राज्यों में विधानसभा चुनाव राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दे सकते हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम जैसे राज्यों में चुनाव केवल स्थानीय राजनीति तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उनका प्रभाव राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ेगा। क्षेत्रीय दलों की भूमिका, केंद्र-राज्य संबंध और विकास बनाम पहचान की राजनीति जैसे मुद्दे चुनावी विमर्श का हिस्सा बन सकते हैं। यह समय भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता और उसकी चुनौतियों दोनों को उजागर करेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए 2026 एक निर्णायक मोड़ हो सकता है। देश पहले से ही दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। घरेलू उपभोग, बुनियादी ढाँचे में निवेश और डिजिटल परिवर्तन ने विकास को नई गति दी है। हालाँकि, महँगाई, रोजगार सृजन और आय असमानता जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों में निवेश भारत के लिए एक बड़ा अवसर है। यदि इन तकनीकों का समावेशी और संतुलित उपयोग किया गया, तो उत्पादकता में वृद्धि और नए रोजगार के अवसर सृजित हो सकते हैं। परंतु यदि नीति-निर्माण में दूरदर्शिता की कमी रही, तो तकनीकी प्रगति सामाजिक विषमता को भी बढ़ा सकती है। वैश्विक व्यापार के संदर्भ में भारत की भूमिका 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी। विश्व व्यापार की अनिश्चित परिस्थितियों में भारत एक स्थिर और भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभर सकता है। आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण की वैश्विक प्रवृत्ति भारत के लिए अवसर लेकर आई है। विनिर्माण, रक्षा उत्पादन और निर्यात में वृद्धि के माध्यम से भारत वैश्विक बाज़ार में अपनी उपस्थिति सशक्त कर सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि नीति-स्तर पर स्थिरता, निवेश के अनुकूल वातावरण और कुशल मानव संसाधन का विकास किया जाए।

भारत की विदेश नीति 2026 में और अधिक मुखर तथा बहुआयामी होने की संभावना है। 'नेबरहुड फर्स्ट' और 'एक्ट ईस्ट' जैसी नीतियाँ केवल कूटनीतिक नारे नहीं, बल्कि व्यावहारिक रणनीतियाँ बनती जा रही हैं। क्वाड जैसे मंचों के माध्यम से भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रणनीतिक सहयोग को गहरा कर रहा है। वहीं, यूरोप के साथ रक्षा और आर्थिक सहयोग को नई दिशा दी जा रही है। ब्रिक्स जैसे मंचों पर भारत की भूमिका वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को मुखर बनाने में सहायक हो सकती है। यह संतुलन साधना भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता है, जहाँ वह किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल हुए बिना अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता है।

तकनीक और जलवायु परिवर्तन भी 2026 के नीति विमर्श के केंद्र में रहेंगे। जलवायु संकट अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की चुनौती बन चुका है। चरम मौसम घटनाएँ, प्राकृतिक आपदाएँ और संसाधनों पर बढ़ता दबाव नीति-निर्माताओं को त्वरित और प्रभावी कदम उठाने के लिए बाध्य कर रहा है। भारत के लिए यह चुनौती दोहरी है, एक ओर विकास की आवश्यकता और दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी। नवीकरणीय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी और सतत विकास मॉडल इस संतुलन को साधने के प्रमुख साधन बन सकते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में 2026 को एक निर्णायक वर्ष माना जा सकता है। एआई न केवल उद्योग और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही है, बल्कि राजनीति, सुरक्षा और समाज के स्वरूप को भी बदल रही है। चुनावी प्रक्रियाओं में एआई का उपयोग, सूचना के प्रसार में उसकी भूमिका और साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रश्न नीति-निर्माताओं के लिए नई चुनौतियाँ प्रस्तुत कर रहे हैं। यदि इन तकनीकों का विवेकपूर्ण नियमन नहीं किया गया, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए खतरा बन सकती हैं। वहीं, सही दिशा में उपयोग होने पर ये शासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी भी बना सकती हैं।

वास्तव में 2026 कोई साधारण वर्ष नहीं होगा। यह एक ऐसा समय होगा, जहाँ राजनीति और नीति के निर्णय आने वाले दशकों की दिशा तय कर सकते हैं। अनिश्चितताओं के बीच प्रतिस्पर्धा तीव्र होगी, परंतु उसी के साथ नए अवसर भी जन्म लेंगे। भारत के लिए यह वर्ष अपनी आंतरिक शक्ति, लोकतांत्रिक संस्थाओं और रणनीतिक दृष्टि को परखने का अवसर होगा। यदि देश संतुलित नीति, सामाजिक समरसता और वैश्विक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ता है, तो 2026 केवल चुनौतियों का वर्ष नहीं, बल्कि संभावनाओं का द्वार भी सिद्ध हो सकता है। सावधान आशावाद ही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है- ऐसा आशावाद, जो यथार्थ की धरती पर खड़ा हो और भविष्य की ओर विश्वास के साथ देख सके।

दूध उत्पादक किसानों के सधे रहेंगे हित

न्यूजीलैंड से निर्यात

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकारता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। याद रहे अमेरिकी कृषि उत्पाद निर्यात पर भारत ने दो टूक मना कर दी थी। इस कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजी का भारत ने बढ़ाए गए टैरिफ का सामना किया। इसकी भरपाई के लिए धैर्य से काम लेते हुए ब्रिटेन, ओमान और अब न्यूजीलैंड से अपनी शर्तों पर एफटीए करके किसान हितों को साधते हुए उल्लेखनीय समझौते कर लिए। इसी माह दिसंबर 2025 में भारत ने ओमान के साथ कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीपा) किया था और अब भारत की न्यूजीलैंड से चली 9 माह की वार्ता में न्यूजीलैंड से इस बात पर सहमति हो गई कि इस समझौते में कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि भारत से 5000 अभियंता न्यूजीलैंड काम करने के लिए जाते हैं। बावजूद यह समझौता शून्य टैरिफ पर होना भारत के दोनों हाथों में लड्डू होने जैसा है।

इस समझौते से अमेरिका को इसलिए भी झटका लगा है, क्योंकि पांच साल पहले एशिया-प्रशांत व्यापार क्षेत्र के रूप में उभर रहे 15 देशों के व्यापार पटल आरईसीपी (रिजनल कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप) का सदस्य बनने से भारत ने इंकार कर दिया था। इसका मुख्य कारण था कि न्यूजीलैंड के सस्ते दूध और कृषि उत्पादों का भारत में निर्यात रोकना। अब भारत ने न्यूजीलैंड से स्वतंत्र रूप में समझौता करके किसान हितों को साध लिया है। दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते है? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड को सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है। साथ ही न्यूजीलैंड सेब, कीवि और डेयरी क्षेत्र में भारतीय उत्पादकता को बढ़ाने में अपनी तकनीकि मदद भी देगा। अतएव यह समझौता पूर्ण रूप से भारतीय हितों को साधने वाला है।

वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत मध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर अमेरिकी बाजार के कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दूध बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर टिकी रही है, जिनमें से एक न्यूजीलैंड भी रहा है। अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते की बात चली थी। इस समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल थे। भारत सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया था कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है। इस मनाही के बाद अमेरिका ने भारत पर अनर्गल टैरिफ संबंधी शर्तें थोपना शुरू कर दी थीं।

भारत में 13 जनवरी 1970 को फ्लड ऑपरेशन के साथ दूध का उत्पादन शुरू हुआ था। इसे ही श्वेत क्रांति का नाम दिया गया। यह केवल भारत में ही नहीं विष्व में सबसे बड़े ग्रामीण कार्यक्रमों में से एक है। इसी की बदौलत भारतीय डेयरी उद्योग का चेहरा बदला और लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों की आर्थिकी में क्रांतिकारी बदलाव आया। दरअसल फिरंगी हुकूमत के दौरान पोल्सन नाम की ब्रिटिश कंपनी का इस क्षेत्र का दूध खरीदने पर एकाधिकार था। कंपनी दुग्ध उत्पादकों का लगातार शोषण कर रही थी। इस शोषण की शिकायत किसानों ने सरदार पटेल से की। पटेल गोधन, गोरस और गोदान की हिंदू जीवन शैली के अनुयायी थे। पटेल शोषण की जानकारी से बेचैन हुए और लौहपुरुष के अवतार में आ गए, उन्होंने तत्काल कंपनी को दूध बेचने से मना कर दिया। उनका मानना था कि जब कंपनी को दूध मिलेगा ही नहीं, तो उसे किसानों की शर्तें मानने को मजबूर होना पड़ेगा। साथ ही पटेल ने सभी किसानों को मिलकर सहकारी संस्था बनाकर स्वयं दूध और दूध के उत्पाद बेचने की सलाह दी। पटेल के इस सुझाव से किसान सहमत हो गए और अंग्रेजों को दूध न देने की चुनौती दे दी। बाद में 1946 में पटेल ने अपने भरोसे के साथ ही मोरारजी देसाई और त्रिभुवन दास पटेल की सहायता से भारत की पहली दुग्ध सहकारी संस्था की स्थापना की, इसे ही बाद में जिला सहकारी दुग्ध उत्पादन संघ के नाम से जाना गया। 250 लीटर दूध का प्रतिदिन कारोबार करने वाली इसी संस्था को आज विश्वव्यापी संस्था 'अमूल' के नाम से जाना जाता है। मिशिगन स्टेट विवि से मैकेनिकल इंजीनियरिंग करके भारत लौटे वर्गीज कुरियन ने सरकारी नौकरी छोड़कर इस संस्था में काम शुरू किया और भारत का पहला दूध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया। इसके बाद किसानों की ज्ञान परंपरा और कुरियन के यांत्रिक गठबंधन से इस संस्था ने उपलब्धि का शिखर चूम लिया।

बिना किसी सरकारी मदद के बूते देश में दूध का 70 फीसदी कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। इस कारोबार में ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं। लेकिन पारंपरिक ज्ञान से न केवल वे बड़ी मात्रा में दुग्ध उत्पादन में सफल हैं, बल्कि इसके सह-उत्पाद दही, मठा, घी, मक्खन, पनीर, मावा आदि बनाने में भी मर्मज्ञ हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित ढांचा, मसलन डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार ही सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं। दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम् भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे षहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक भी दूध बेचने का काम करते हैं।

इसी दूध के बाजार पर अमेरिका समेत अनेक दुग्ध उत्पादक पश्चिमी देशों की निगाहें टिकी रहती हैं। हालांकि अब दुग्ध उत्पादकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुछ माह पहले ही दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाई है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है। इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की तैयारी है। ऐसे में यदि अमेरिकी या अन्य देशों के लिए दुग्ध उत्पाद बेचने के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाते तो इन समितियों की मुश्किलें तो बढ़ती हीं, दुग्ध उत्पादक आठ करोड़ लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल गहरा जाते।

भावनाओं के शोषण चक्र से बचना जरूरी

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

वैसे तो सामान्यतया भावनाओं को सकारात्मक दृष्टि से ही परिभाषित किया जा सकता है, जिसे सद्भावना के रूप में भी जाना जा सकता है। लेकिन कभी-कभी भावनाओं का अतिरेक हानिकारक भी सिद्ध हो जाता है। जहां तक दुर्भावना का सवाल है, तो इसका हर एक स्तर पर निषेध किया गया है। आमतौर पर दुर्भावना को स्पष्ट रूप से पहचाना जा सकता है, लेकिन कभी-कभी यह भी संभव हो जाता है कि हम समझ नहीं पाते कि व्यक्त की जा रही भावना का वास्तविक प्रयोजन आखिर क्या है? यह स्थिति विशेष कर भावुक हृदय के लिए भारी पड़ती है। वर्तमान दौर में भावनाओं का शोषण हर एक स्तर पर किया जा रहा है।

कभी-कभी तो हमारी अपनी मनोभावना का दुरुपयोग कुछ इस कदर किया जाने लगता है कि अन्य पक्ष की सद्भावना में लिपटी दुर्भावना भी फलीभूत हो जाती है। वर्तमान दौर में व्यक्तिगत, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भावनाओं के दुरुपयोग का सिलसिला लगातार विस्तार पाता जा रहा है। व्यवहार में देखा गया है कि सदाशयता को एक प्रकार से कमजोरी का लक्षण मान लिया जाता है। ऐसे में विशुद्ध सात्विक आचरण और व्यवहार के शोषण का दुष्चक्र सद्भावना का ही शोषण करता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक तथा राजनीतिक स्तर पर भी भावनाओं को भुनाने का सिलसिला लगातार जारी है। यही कारण है कि पुरानी पीढ़ी की अपेक्षा नई पीढ़ी हद से अधिक प्रैक्टिकल होती जा रही है। बीते जमाने के सामान्य शिष्टाचार, पारिवारिक रीति रिवाज और परंपराएं, सामाजिक एकता और वास्तविक धर्म के प्रति समर्पण का भाव विलोपित होता जा रहा है। इसके चलते इन संबंधों में सद्भावनाओं के दर्शन कम ही हुआ करते हैं। एक प्रकार से 'यूज एंड थ्रो' की रीति नीति को आत्मसात किया जाने लगा है। आजकल तो तमाम तरह के रिश्ते भी लाभ-हानि के सिद्धांत पर आधारित होने लगे हैं। पारिवारिक रिश्तों की अपेक्षा व्यावसायिक रिश्तों को अधिक तवज्जो दी जाने लगी है। संयुक्त परिवार की परंपराएं टूटती जा रही है। आजकल तो एकल परिवार भी कब तक एक परिवार के रूप में रहेगा? यह भी पक्के तौर पर नहींकहा जा सकता। एकाकी जीवन शैली नई-नई परंपराओं के आवरण में संयुक्त होने लगी है। जिनके लिए कोई नीति नियम या आदर्श परंपराएं अब तक विकसित नहीं हुई है। स्वतंत्रता उच्छृंखलता का रूप लेने लग गई है। नजदीकी रिश्ते तार-तार होने लगे हैं और कल तक की प्रचलित मर्यादा नैतिक नियमों का उल्लंघन करने लग गई है। यह चिंता केवल समाज शास्त्रियों को ही नहीं अपितु हर एक को करने की जरूरत है कि आखिर हमारी विश्व वंदनीय भारतीय सभ्यता और संस्कृति की रक्षा कौन करेगा?

दरअसल भौतिक तथा तकनीकी विकास की हमने बहुत भारी कीमत चुकाई है। यदि गहराई से पड़ताल की जाएं तो आजकल के दौर में विशुद्ध भारतीय संस्कृति के दर्शन शहरों की अपेक्षा ग्रामीण परिवेश में ही अधिक हुआ करते हैं। जहां आज भी तमाम तरह के व्यक्तिगत पारिवारिक एवं सामाजिक रिश्तों का भरपूर सम्मान किया जाता है। नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी का लिहाज पालती है। लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह सिलसिला अक्षुण्ण रहने वाला है। दरअसल हर स्तर पर विकास की प्रक्रिया में ग्रामीण परिवेश की भागीदारी भी इन दिनों बढ़ती जा रही है।

ऐसी स्थिति में शहरी परिवेश वाला दृष्टिकोण ग्रामीण परिवेश में भी अंकुरित होने लगे, तो किसी को कोई आश्चर्य नहीं करना चाहिए। आधुनिक शिक्षा प्रणाली आदमी को विषय विशेष के ज्ञान में दक्ष तो बनती है लेकिन उनमें नैतिक तथा चारित्रिक संस्कार को प्राथमिकता नहीं देती। दरअसल ऐसे संस्कार पारिवारिक परिवेश में ही मिला करते हैं। लेकिन टूटते बिखरते परिवारों के दौर में नजदीकी रिश्तों में नजदीकी की गारंटी भी भला कहां रह गई है? कोई किसी के सगे हैं तो कितने सगे हैं? यह बात भी दावे के साथ नहीं कहीं जा सकती।

शिक्षा के लिए आमतौर पर पारिवारिक परिवेश से कहीं अधिक आधुनिक शैक्षणिक संस्थान एवं इष्ट मित्र के बीच ही समय गुजरा करता है। जहां व्यक्तिगत आजादी किसी भी बंधन से बंधी हो, यह कतई आवश्यक नहीं होता। जिसके चलते राह भटकने का अंदेशा निश्चित रूप से बढ़ सकता है। दुर्भाग्य से वर्तमान दौर में ऐसा ही कुछ होने लगा है। व्यवहार में देखा गया कि वर्तमान दौर में जमाने के चलन ही कुछ ऐसा होता जा रहा है कि भलेमानुष की भावनाओं से खेलना होशियारी का पर्याय बनता जा रहा है। इन तमाम कारणों के चलते चरित्र निर्माण की पाठशाला का पाठ नई पीढ़ी को पढ़ाने की जरूरत है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

बेटे को वंशवाद की सवारी कराने का संकल्प

व्यंग्य

दिनेश विजयवर्गीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

शहर के लोकप्रिय नेता हैं श्रीजी। सुबह जल्दी निपटने की प्रक्रिया में थे। जल्दी-जल्दी पूजा पाठ पूरा कर नाश्ते की टेबल पर बैठ गए। उन्हें आलाकमान की उस बैठक में जाना जहां आने वाले विधानसभा के चुनाव के लिए टिकट वितरण हेतु विचार विमर्श होना था।

नाश्ता करने के बाद चाय पीते नेताजी से उनकी पत्नी ने कहा 'आपसे कितनी बार कह दिया कि बेटा जवान हो गया। उसने ग्रेजुएशन कर लिया। कॉलेज में अध्यक्ष भी रह चुका। उसे राजनीति की एबीसीडी भी सीख ली। उसके पास अब कोई भी काम नहीं है। अब उसे भी चुनावी टिकट दिलवाले की व्यवस्था कर बहती गंगा में हाथ धोने का अवसर प्राप्त कर लो।'

नेताजी की पत्नी ने नेताजी को प्रेरित करते हुए समसामयिक बात रखी। 'आज तो हाथ पैर चल रहे हैं और जब अनचाहे मेहमान की तरह बुढ़ाई उम्र आकर हमारी क्रियाशीलता को प्रभावित करने लगेगी तो ऐसे में हमारी प्रतिष्ठा को कौन बनाए रखेगा? गृहस्थी में आनंद मंगल कैसे रहेगा? टिकट मिला तो वह राजनीति के प्रभाव से गौरवपूर्ण जीवन जीएगा। आज तो प्रायः नेता का मुख्य लक्ष्य सेवा के बहाने अपना घर बनाना है। सदा मीडिया में छाने का अवसर रहेगा। दूर दूर तक लोगों में पहचान बनेगी। आज जो भी विधायक या मंत्री बन जाता है, वह जीवन भर शौहरत पाता रहता है। खान-पान व परिवार की संपन्नता बनी रहती है। फिर जब कभी विधायक नहीं रहे तो भी जीवन भर पेंशन व्यवस्था का लाभ मिलता रहेगा। और नाम के आगे भी पूर्व पद से पहचान बनी रहेगी।'

पत्नी की बात श्रीजी के गले उतर गई। वह चार दशक से राजनीति कर रहे हैं। उनका अच्छा रुतबा है। आला कमान भी सौ टका खरा उतरने जैसी बात पर उनका विश्वास करता आया है। नेताजी ने बेटे को बुलाया। वह बंगले के लॉन में सर्दी के धूप में अपने कुछ मित्रों के साथ बातचीत कर रहा था। तभी बेटा श्री जी के पास पहुंचा।

'अब तुम समझदार जवान हो गए हो। राजनीति के एबीसीडी तुमने कॉलेज अध्यक्ष बनाकर सीख ली। अब तुम्हें विधानसभा का टिकट मिले, ऐसा तुम्हारी मां का भी सुझाव है।' बेटे को यह सुन लगा जैसे उसे परसी हुई थाली मिल गई। वह जीवन को मालामाल बनाए रखने वाले सुझाव पर बोला 'मैं तो कब से इस बात के लिए सोच रहा था। मीडिया में आए दिन राजनीति में वंशवाद को बढ़ावा देने वाले समाचार सुन पढ़कर मेरा दिल भी रबड़ की गेंद की तरह उछालें मारने लगा है। आज हर प्रसिद्ध नेता अपने बेटे को राजनीति में प्रवेश को अपनी जागीर समझ पार्टी में प्रवेश दिला कर उनका भविष्य सुधार रहे हैं। मैं भी इसी वंशवादी राजनीति परंपरा से जुड़ना चाहता हूं। आपकी गुडविल का लाभ मुझे अवश्य मिलेगा।'

तभी श्रीजी सोचने लगे पार्टी के कई लोग जो टिकट की इच्छा में वर्षों से लाइन में खड़े हुए हैं ऑब्जेक्शन करेंगे। टांग खींचने की कला का पूरा उपयोग कर रोड़ा अटकाने में बाज नहीं आयेंगे। खा नहीं पाएंगे तो रायता फैलाएंगे ही सही।

इसी चिंतन में किचन में काम कर रही नेताजी की पत्नी भी बेटे के समर्थन में दरियादिली से आ खड़ी हुई। और दो टूक कह दिया 'बेटे को टिकट दिलाने में टांग खींचने वालों की चिंता मत करना। बस अपने बेटे की नए होनहार चेहरे की राजनीति में प्रवेश दिलाने वाली इमेज रखना। कई बड़े नेता स्वयं भी तो अपने कुल को आगे बढ़ाने में लगे हैं न?'

श्रीजी की पत्नी उन्हें मीटिंग में क्या कहना चाहिए क्या नहीं के लिए निर्देशित कर फिर से किचन की ओर बढ़ गई। बेटा भी अपने मित्रों के पास चेहरे पर मुस्कान लिए लौट गया।

श्रीजी बेटे को वंशवाद की सवारी कराने का संकल्प कर चुके थे। उन्होंने घड़ी देखी। दस बजने को थे। मीटिंग में जाने के लिए उठने को हुए सभी पार्टी कार्यालय से जल्द पहुंचने का फोन आ गया। नेताजी तुरंत अपनी नई कार में बैठ आत्मविश्वासी मन के साथ पार्टी कार्यालय की ओर बढ़ गए।

वर्ष 2026

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार है।

नववर्षः उम्मीदें, चुनौतियां और समाधान

सनातन वैदिक हिंदू धर्म और हमारे पंचांग के अनुसार नया साल प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वां नव संवत्सर से प्रारंभ होना माना जाता है जो शास्त्रोक्त भी है। इस साल पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) होने से यह तिथि आगामी 19 मार्च 26 को आ रही है। यानी नव-वर्ष की शुरुआत इसी तिथि से होगी। प्रभु श्रीराम का प्रकटोत्सव राम नवमी भी इसी माह आती है। लेकिन यह विडंबना कही जायेगी कि अब तो ज्योतिषी भी वर्ष फल और राशि फल कैलेंडर वर्ष के अनुरूप बताते हैं जो मीडिया के जरिये भी सामने आता है। खैर, यह निहायत वैयक्तिक मामला है कि कौन कब नया साल माने या ना माने। अब जबकि एआई (आर्टिफिशल इंटेलीजेंस) का युग आ गया है तो पता नहीं आने वाले वक्त में और क्या होने वाला है।

कैलेंडर वर्ष का नया साल 31 दिसंबर और 1 जनवरी के संधिकाल को दुनियाभर में जश्न के साथ मनाये जाना एक रस्म की तरह होता जा रहा है। पार्टियां करना मॉकटेल, कॉकटेल पार्टियां करना या उनमें शामिल होना, फूहड़ और तेज आवाज वाले म्यूजिक पर डांस आदि को एन्जॉय करना ही जैसे आधुनिक होने का प्रमाण देता सा लगता है। अच्छा है, जब भी अवसर आये तब उमंग उत्साह के साथ खुशियां मनाई जाना चाहिये। लेकिन इस मौके पर शराब सेवन, नशा कर गाड़ियां चलाना, सुधबुध खोकर एक्सीडेंट करना, आतिशबाजी आदि आजकल के नव धनाड्य वर्ग और एलिट कहे जाने वालों के लिये दिखावा तथा फैशन बनता जा रहा है। कोई भी शहर या कस्बा या छोटी जगह पहली जनवरी की सुबह सड़कों, चौराहों, मोड़ों पर बिखरे कांच के टूटे फूटे टुकड़े खुद बयां करते हैं कि बीती रात या तड़के तक वहां हुआ क्या था?

सनातन वैदिक हिंदू धर्म और हमारे पंचांग के अनुसार नया साल प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वां नव संवत्सर से प्रारंभ होना माना जाता है जो शास्त्रोक्त भी है। इस साल पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) होने से यह तिथि आगामी 19 मार्च 26 को आ रही है। यानी नव-वर्ष की शुरुआत इसी तिथि से होगी। प्रभु श्रीराम का प्रकटोत्सव राम नवमी भी इसी माह आती है। लेकिन यह विडंबना कही जायेगी कि अब तो ज्योतिषी भी वर्ष फल और राशि फल कैलेंडर वर्ष के अनुरूप बताते हैं जो मीडिया के जरिये भी सामने आता है। खैर, यह निहायत वैयक्तिक मामला है कि कौन कब नया साल माने या ना माने। अब जबकि एआई (आर्टिफिशल इंटेलीजेंस) का युग आ गया है तो पता नहीं आने वाले वक्त में और क्या होने वाला है।

सो, नये साल में हमारी उम्मीदों और प्रार्थनाओं में सबसे पहले कि हमारे देश में सुख- शांति, अमन-चैन, सुकून और सदभाव कायम रहे। हम वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवंतु सुखिनः को मानने वाले हैं तो सम्पूर्ण विश्व के लिये भी ऐसी ही कामना करते हैं। वैश्विक स्तर पर भी शांति बनी रहे। जहां भी जंग छिड़ी है, उसे समाप्त किया जाये और मसलों का सभी को स्वीकार्य समाधान किया जाये।भले ही विश्व के कथित चौधरी समझे जाने वाले डोनाल्ड ट्रंप को कई युद्ध रुकवाने के लिये (जैसा दावा किया जाता है) नोबल पुरस्कार मिले ना मिले लेकिन जंग रोकने में उनकी कूटनीतिक कोशिशों और दबाव को भी कामयाबी मिले। पड़ोसी देश बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, म्यांमार समेत थाईलैंड- कंबोडिया आदि के आंतरिक संघर्ष तथा अस्थिरता से वहां के लोगों को निजात मिले। एक और पड़ोसी श्रीलंका को हाल ही के विनाशकारी समुद्री तूफान से जान माल की क्षति फिर से ना उठाना पड़े। बांग्लादेश की हाल की घटनाएं हमारे देश के लिये चिंता का विषय है हालांकि अभी तक काफी संयम बरता गया है। सोचें जिस बांग्लादेश के विश्व के मानचित्र पर प्रादुर्भाव में सन 1971 के भारत-पाक युद्ध और तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा जी और बंग बंधु शेख मुजीब की महती भूमिका और दूरदर्शिता वाली नीतियां तथा वहां के आर्थिक विकास में भागीदारी रही हो वहां भारत के खिलाफ इस तरह का माहौल बन रहा है तो यह सब क्या है?

जहां तक भारत की बात है तो फिर से कोई पहलगाम, अहमदाबाद, नई दिल्ली, गोवा, धराली, चमोली, किश्तवाड़, वैष्णो देवी सहित अन्य पूजा स्थलों, हिमाचल प्रदेश, पंजाब में बाढ़ से हुई त्रासदी, भगदड़ मचने से हुई निर्दोष लोगों की मौत जैसी दुर्घटनाएं फिर से ना हो। इसके लिये सरकारों को सदैव सतर्क रहकर ध्यान देने की जरूरत रहेगी। प्रशासन को और अधिक चुस्त-दुरुस्त रहना होगा।

यातायात चाहे सड़क का हो, रेल या हवाई मार्ग का सभी सुचारू रूप से संचालित रहे। हाल ही के इंडिगो संकट से देश भर में उड़ानों के रद्द होने से यात्रियों को फिर से परेशानी ना उठाना पड़े। सीहोर जिले के आष्टा

में बीते दिनों मामूली बात पर इतना विवाद हो गया कि गाड़ियों में तोड़फोड़ तथा इंदौर- भोपाल के महत्वपूर्ण हाईवे पर घंटों जाम लगा रहा। छोटी सी चिंगारी कब विकराल रूप धारण कर ले कहना मुश्किल है। जन आक्रोश का शिकार सबसे पहले सड़कें, प्रतिष्ठान, वाहन तथा सार्वजनिक सम्पत्ति बनती है, यह समझा जा सकता है।

सियासत पुराण का जिक्र करें तो आने वाले समय में पांच राज्यों में चुनाव होना है। सबसे कठिन चुनाव पश्चिम बंगाल और उत्तरप्रदेश के रहेंगे इस आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। इन चुनावों में भी आरोप प्रत्यारोप, प्रयुक्त भाषा का स्तर और भी नीचे गिर जाने की संभावना होगी। इसके आसार अभी से नजर आने लगे हैं। एसआईआर को लेकर जिस तरह का माहौल निर्मित हुआ है वो भी इसी बात की ओर इंगित करता है। बीते साल का आखिरी संसद सत्र हो या पूर्व के जिस तरह के दृश्य देखे गये वे संसदीय मर्यादा के अनुरूप तो कदापि नहीं कहे जा सकते। एक ओर जहां राजनीतिक शुचिता और सौहार्द समन्वय के पक्षधर अटल बिहारी वाजपेई का जन्म शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर इस तरह का माहौल उचित नहीं कहा जा सकता है।

अब धर्म अध्यात्म क्षेत्रे- वृंदावन के युवा भागवत पुराण के प्रवचनकार इंद्रेश जी उपाध्याय के विवाह जैसे शुभ प्रसंग पर जिस तरह सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार का अभियान जैसा चला वह घोर निंदनीय है। विवाह जैसे नितांत वैयक्तिक मामले को जिस तरह अनावश्यक तूल दिया गया उससे कतिपय लोगों की मंशा साफ जाहिर होती है। इसके पीछे बहुत कम उम्र में इंद्रेश महाराज की कथाओं में सभी जगह उमड़ने वाली भीड़ और देश विदेश में श्रीमदभागवत पुराण कथा का श्रृंखलाबद्ध आयोजन माना जा सकता है। इंद्रेश जी ने कथाओं और स्वयं के गाये भजनों के माध्यम से भक्त श्रोताओं के साथ भक्तिपथ के जरिये जेन जी के बीच स्थान बनाया वह अभूतपूर्व है। यही वजह है कि वे युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। इन पंक्तियों के लेखक ने स्वयं बीते डेढ़ दो साल से उनके मुखारविंद से कथा श्रवण की है और उन्हें फॉलो करने की कोशिश की है। इंद्रेश जी ने खुद मुंबई में 23 दिसंबर से प्रारंभ कथा की शुरुआत में ही उनके विवाह को लेकर चल रही अनर्गल चर्चाओं और दुष्प्रचार पर विराम लगाया। उनका कहना था कि उन्हें पहले से पता था कि ये सब होना ही था। उनका पॉडकास्ट भी इन दिनों खूब देखा सुना जा रहा है।

हम उम्मीद कर सकते हैं कि नये साल में देश की अंदरूनी समस्याओं का स्वीकार्य समाधान निकलकर आयेगा। जम्मू-कश्मीर सहित देश के विभिन्न स्थानों पर आतंकी वारदातों पर रोक लगेगी, मणिपुर का लंबे समय से जारी संकट दूर होगा, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत, लेह लद्दाख तथा अन्य संवेदनशील राज्यों, स्थानों पर शांति भाईचारा और आपसी सदभाव बना रहेगा। निर्भय होकर देश के मशहूर पर्यटन स्थलों पर सैलानी आ- जा सकेंगे। अरावली पर्वत माला जैसी ऐतिहासिक और पर्यावरणीय रक्षक धरोहरें संरक्षित, सुरक्षित रहेंगी। योजनाओं के नाम को लेकर तकरार नहीं होगी। सिर्फ लोक लुभावन उद्देश्य की बजाय व्यापक जनहित में फैसले लिये जायेंगे। हालांकि यह हमारा विषय नहीं है फिर भी सोने- चांदी सहित जरूरी वस्तुओं की कीमतों में और कमी लाकर आम लोगों को राहत दी जायेगी। डॉलर की तुलना में रुपये की कीमतों में गिरावट की स्थिति को अर्थ विशेषज्ञों की सलाह से सुधारा जायेगा। यह किसी भी जन कल्याणकारी शासन व्यवस्था का मुख्य ध्येय तथा उद्देश्य होना भी चाहिये। हम सिर्फ उम्मीद ही कर सकते हैं। देखते हैं कि 2026 उम्मीदों पर कितना खरा उतरता है।

सफलता और सार्थकता के कुछ सूत्र

2025 से 2026 की ओर

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

आखिर ऐसा क्यों होता है या हमारे सोचने और कार्य करने की गति में कोई तालमेल नहीं होता। फिर चाहे फाइलें हों या कोई और भौतिक कार्य सब एक ढेर की तरह पड़ा रहता है और हम कुछ कर नहीं पाते या जो कुछ करते हैं वह मन को खुशी नहीं देता। आखिर जो लोग अपने सारे कार्य प्लानिंग से करते हैं वो कैसे सफल होते हैं और सफल लोगों और अन्य लोगों में क्या खास अंतर होता है जो एक को अपने कार्य में सफल बनाता है और दूसरा अक्सर अपने कार्य में पिछड़ जाता है।

2025 के आखिरी कुछ दिनों में बहुत कुछ करने को है और बहुत कुछ किया गया है, जो कर लिया वो कर लिया और जो रह गया वह आगे चलकर होगा या नहीं भी हो पर उसके लिए कोई चिंता नहीं है। जो है और जो सामने है वहीं महत्वपूर्ण है। सोचने की यह बात है कि हर बार हम सब सोचते रहते हैं कि यह करना है और वह करना है फिर एक दो दिन बाद ज़िंदगी एक निश्चित ढ़र्रे पर चलने लगती है, फिर एक समय आता है और आदमी खंगालने लगता है कि क्या कुछ किया और क्या कुछ बाकी रह गया। आखिर ऐसा क्यों होता है या हमारे सोचने और कार्य करने की गति में कोई तालमेल नहीं होता। फिर चाहे फाइलें हों या कोई और भौतिक कार्य सब एक ढ़ेर की तरह पड़ा रहता है और हम कुछ कर नहीं पाते या जो कुछ करते हैं वह मन को खुशी नहीं देता। आखिर जो लोग अपने सारे कार्य प्लानिंग से करते हैं वो कैसे सफल होते हैं और सफल लोगों और अन्य लोगों में क्या खास अंतर होता है जो एक को अपने कार्य में सफल बनाता है और दूसरा अक्सर अपने कार्य में पिछड़ जाता है। 2025 से 2026 की ओर कदम बढ़ाते हुए न केवल सोचने की जरूरत है बल्कि व्यवहार में कार्य को करने की जरूरत है। बदलते हुए समय के पुल पर बैठकर जब देखते हैं कि क्या कुछ किया जा सकता है और अपने कार्य को कैसे संपादित करना चाहिए तो सबसे पहले कुछ संकल्प ऐसे होते हैं जिसे हमें मन से लेना होगा। चलिए इसी मनोभूमि से कुछ संकल्प लेते हैं केवल संकल्प लेने के लिए नहीं बल्कि संकल्प को जीने के लिए। संकल्प जब मन? से लिए जाते हैं, जब बिना किसी दबाव के सहज रूप से कोई संकल्प लेते हैं तो वे संकल्प पूरे भी होते हैं और हम उसके साथ बहुत दूर तक चलते हैं। अक्सर लोग अपने मन को लेकर ऐसे चलते हैं कि मन तो उनका ही है और उनके साथ ही रहता है इसलिए मन उनकी बात मान लेगा, पर मन तो मन ही है और मन को मनाना कभी भी आसान नहीं रहा । बड़े से बड़े साधक मन को मनाने के लिए ही साधना के क्षेत्र में आएं पर मन किस पल उठकर भाग जायेगा यह कोई नहीं जानता। आप मन को न तो एक जगह पर रोक सकते हैं न एक जगह पर बैठा सकते हैं कि तुम यहीं रहो मैं आता हूं। दुनिया को केवल भौतिक आंखों से ही नहीं देखा जा सकता बल्कि दुनिया को सही ढ़ंग से देखने के लिए मन की आंखों को लेकर चलते हैं। आइए संकल्प लें जो हम कर सकें -

1. जो सोच रहे हैं उसे व्यवहार रूप में करने की सोचें। अधिकतर आदमी की यह समस्या रहती है कि कुछ अच्छा करें पर कुछ भी करते नहीं। बिना कुछ अच्छा किए अच्छा कहां से होगा यह सब जानते हैं पर लोग इसी तरह से सोचते रहते हैं कि यह कर लेंगे तो वह कर लेंगे। और सोच कर बैठ जाते हैं। यदि कुछ करना चाहते हैं तो उसके लिए कदम बढ़ाएं।

2. छोटे छोटे संकल्प लें और उसे एक लक्ष्य की तरह पूरा करें। हर संकल्प की उपलब्धि पर खुश होना सीखें। यह ऐसी खुशी होती है जो उर्जा देती है और जादुई रूप से पूरे जीवन को बदल देती है।

3.हर कार्य हर किसी के लिए नहीं होता इसलिए अपनी स्थिति और क्षमता के हिसाब से कार्य का फैसला लें। अपनी क्षमता को पहचानना ही सबसे बड़ी मनुष्यता है।

4. सफल आदमियों की कहानी पढ़ते रहना और उससे प्रभावित होना काफी नहीं है। यह देखना जरूरी होता है कि सफल आदमी की खूबी क्या है। उसे नजदीक से देखें और यह समझने की कोशिश करें कि यदि यह कार्य वह कर सकता है तो मैं क्यों नहीं कर सकता। फिर सही दिशा में कदम बढ़ाएं और आगे बढ़े ।

5. अपनी कहानी खुद लिखें। आप सफल हैं या असफल यह कहने वाला समाज नहीं हो, सबसे पहले आपको ही आगे आना होगा और अपनी कहानी लिखनी होगी।

6. अपनी दुनिया को समझने की कोशिश करें। आपके आसपास बहुत सारी नकारात्मक शक्तियां काम करती हैं उनसे दूर रहते हुए ही अच्छा कार्य कर सकते हैं।

7. यदि अपने आसपास की नकारात्मक शक्तियों से दूर हैं तो वहीं आपके आसपास बहुत सारी सकारात्मक उर्जा है उसको साथ लेकर कार्य करें अपने साथ हुए किसी भी सकारात्मक सहयोग और सोच को न भूलें। बल्कि उसे पूरा महत्व दें।

8. दुनिया को कोई और नहीं बतायेगा कि आप क्या हैं। अपने कार्य के साथ ही अपनी सत्ता और पहचान को भी रखनी पड़ती है। अंततः इस दिशा में आपको ही आगे आना होगा।

9. अपनी छोटी छोटी उपलब्धियों को संभाल कर रखें यहीं आपके साथ एक दिन बड़ी हो जायेंगी। हर उपलब्धि सफलता के साथ चमकती है और सार्थक हो जाना चाहती है।

नया वर्ष नये संकल्पों , शुभ संकल्पों के साथ अपना मार्ग स्वयं बनाने का है। किसी के सहारे या किसी के भरोसे आप कुछ नहीं कर सकते पर यह जानना जरूरी है कि आप बहुत कुछ कर सकते हैं । यदि आपके भीतर आत्मविश्वास है कि हां इस कार्य के लिए मुझे ईश्वर ने भेजा है तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। सबकुछ संभव हो सकता है। अपने संभव कार्यों को संभव संकल्पों से पूरा करने के आग्रह के साथ ही कदम बढ़ाएं। मानकर चलिए कि जो कदम बढ़ा दिया है... उसके लक्ष्य सामने ही हैं।

कम नहीं होंगे सूर्योदय और सूर्यास्त के नजारे

नववर्ष अनुभूति

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं।

मैंने मेरे एक मित्र से जब पूछा कि वे वर्ष के अंतिम दिन को और नए वर्ष के पहले दिन को किस तरह संजोना चाहेंगे? उस दिन अपनी स्मृति को किस तरह स्मरणीय बनाना चाहेंगे? उनका जवाब बहुत सामान्य सा था लेकिन उसके पीछे जीवन को देखने समझने का दृष्टिकोण और गहरा अर्थ समाया हुआ था। उन्होंने कहा कि दुनिया में सब कुछ बदलता रहता है लेकिन जो नहीं बदलता वह केवल प्रतिदिन पूर्व दिशा से प्रातः सूर्य का निकलना और शाम को पश्चिम में उसका अस्त हो जाना ही है, जो शाश्वत है। यही जीवन का असली उत्सव है। दर्शन है और सौंदर्य भी। वर्ष की समाप्ति पर उन्हें सूर्यास्त और नए साल के आगमन पर सूर्योदय को देखना बहुत भाता है।

उनका कहना बिल्कुल सही भी था। वर्ष की अंतिम शाम और पहले दिन के सूर्य को देखना ही नहीं बल्कि हरेक दिन सूर्य का निकलना, ढलना और अस्त हो जाना हमेशा से मनमोहक रहा है। सूर्योदय और सूर्यास्त दो ऐसे समय हैं जब प्रकृति अपनी पूरी शोभा के साथ हमें आकर्षित करती है। इन समयों में आकाश का रंग, बादलों की आकृति, और वातावरण का तापमान सभी कुछ बदल जाता है। यह समय मनुष्य के मन और आचरण पर गहरा प्रभाव डालता है। इस दौरान हमारे शरीर की आंतरिक घड़ी नियंत्रित हो जाती है, जो हमारे मस्तिष्क और शरीर के कार्यों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

यही कारण है कि दुनिया भर के लोग रोजमर्रा सुबह, शाम के नजारों से रूबरू होने के बावजूद ऐसे खास स्थलों पर पहुंचते हैं जहां से सूर्य के उदय और अस्त होने के नयनाभिराम दृश्यों से आनंदित हो सकें। लाखों पर्यटक, घुम्मकड़ और आम लोग अपने सामर्थ्य के अनुसार अपनी यात्राओं में इन दृश्यों से अपने मन में खुशी और उमंग की अनुभूतियां प्राप्त करने की कोशिश करते हैं।

सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए दुनिया भर में कई प्रसिद्ध स्थल हैं। पर्यटकों की प्राथमिकता में रहनेवाले स्थलों की बात करें तो मिलेनियम आइलैंड, किरीबाती दुनिया का पहला स्थान है जहां सूर्योदय होता है। यह प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटा सा द्वीप है। भारत में अरुणाचल प्रदेश का डोंग गांव सूर्योदय देखने के लिए एक प्रसिद्ध स्थल है। यहाँ सूर्य की पहली किरण 3 बजे धरती को छूती है। अमेरिका में ग्रैंड कैनियन, पेरू का माचू पिचू सूर्यास्त देखने के लिए प्रसिद्ध स्थल हैं। यहाँ का सूर्यास्त देखने का अनुभव अद्वितीय है।

मालदीव का वाधू आइलैंड सूर्यास्त देखने के लिए एक प्रसिद्ध स्थल है। यहाँ का सूर्यास्त देखने का अलग रोमांटिक स्वरूप है। कंबोडिया का अंकोरवाट सूर्योदय देखने के लिए एक प्रसिद्ध स्थल है। यहाँ का सूर्योदय देखने का अनुभव अविस्मरणीय है। इसी तरह इटली में लीनिंग टावर ऑफ पीसा, ऑस्ट्रेलिया मेंग्रेट बैरियर रीफ भी सूर्यास्त देखना भी पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र है। इन स्थलों की विशेषताएं अलग-अलग हैं, लेकिन सभी सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए प्रसिद्ध हैं।

हमारे देश में भी समुद्र के क्षितिज में सूर्यास्त और सूर्योदय के विशिष्ट नजारे देखने के लिए भारत में कई प्रसिद्ध स्थल हैं। कन्याकुमारी, तमिलनाडु में यहाँ तीन समुद्रों का संगम होता है सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों का अद्भुत दृश्य यहां देखा जा सकता है। केरल में वर्कला बीच पर सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य बहुत भी सुंदर होता है, जहां अरब सागर के ऊपर सूर्य की किरणें पड़ती हैं। गोवा के पलोलेम बीच, राधानगर बीच, अंडमान और निकोबार बीच पर सूर्यास्त का दृश्य बहुत ही सुंदर होता है, जहां समुद्र के ऊपर सूर्य की किरणें पड़ती हैं। मुंबई के मरीन ड्राइव पर सूर्यास्त का दृश्य भी मनमोहक होता है। अरुणाचल प्रदेश में सूर्योदय

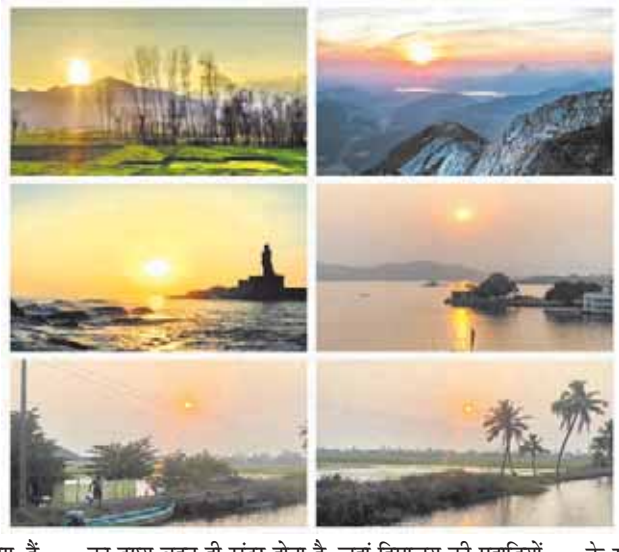

का दृश्य बहुत ही सुंदर होता है, जहां हिमालय की पहाड़ियों के ऊपर सूर्य की किरणें पड़ती हैं। मेघालय में उमियम झील पर सूर्योदय का दृश्य बहुत ही सुंदर होता है, जहां झील के ऊपर सूर्य की किरणें पड़ती हैं।

कई टूर कंपनियां पर्यटकों के लिए सूर्योदय दर्शन के विशेष पैकेज के तहत यात्राएं करवाती हैं जो तड़के तीन चार बजे से पर्यटकों को दुर्गम स्थलों तक ले जाने के उपक्रम करती हैं। पहाड़ों के ऊपर तड़के सूर्य को निकलते देखना किसी दिव्य अनुभूति से कम नहीं होता। उत्तर पूर्व, केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों सहित अनेक ऐसे ऊंचे स्थान हैं जहां से सूर्योदय देखना अविस्मरणीय हो जाता है। मुन्नार की पहाड़ी के टॉप स्टेशन से सूर्योदय और एलेप्पी केरल में बेक वाटर में हाउस बोट की सैर करते हुए डूबते सूर्य के नजारे हमारे भीतर भी असीम सुख और संतोष की धारा प्रवाहित कर जाते हैं।

क्या आप जानते हैं कि तन और मन को असीम आनंद से भर देने वाली इन घटनाओं में केवल सौंदर्य ही नहीं, बल्कि विज्ञान भी छुपा होता है? दरअसल, सूर्योदय और सूर्यास्त के समय, सूर्य की किरणें वायुमंडल में अधिक दूरी तय करती हैं, जिससे प्रकाश का रंग बदल जाता है। यह घटना रेले स्कैटरिंग कहलाती है, जिसमें प्रकाश के छोटे तरंगदैर्ध्य (निल और बैंगनी) अधिक बिखरते हैं, जबकि बड़े तरंगदैर्ध्य (लाल और नारंगी) कम बिखरते हैं। यही कारण है कि सूर्योदय और सूर्यास्त के समय आकाश लाल और नारंगी रंग का दिखाई देता है। इस समय वातावरण में कई बदलाव होते हैं। तापमान में कमी आती है, जिससे वायुमंडल में नमी बढ़ जाती है। यह नमी बादलों के निर्माण में मदद करती है, जो वर्षा का कारण बनते हैं। इसके अलावा, सूर्योदय और सूर्यास्त के समय वायुमंडल में ओजोन की मात्रा भी बढ़ जाती है, जो हमें हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाती है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय प्राणी जगत में भी कई बदलाव होते हैं। कई जानवर, जैसे कि पक्षी और मछली, सूर्योदय के समय सक्रिय हो जाते हैं, जबकि अन्य जानवर, जैसे कि शेर और चीता, सूर्यास्त के समय सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा, सूर्योदय और सूर्यास्त के समय कई पौधे भी अपने पत्तों को खोलते और बंद करते हैं, जो उनकी फोटोसिंथेसिस प्रक्रिया को नियंत्रित करता है।

सूर्योदय और सूर्यास्त का समय मनुष्य के मन और आचरण पर गहरा प्रभाव डालता है। यह समय हमारे शरीर की आंतरिक घड़ी को नियंत्रित करता है, जो हमारे मस्तिष्क और शरीर के कार्यों को प्रभावित करता है। सूर्योदय का समय हमारे शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे हार्मोन्स का स्तर बढ़ाता है, जो हमें दिन के लिए तैयार करते हैं।

यह समय हमारे मस्तिष्क में सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन्स का स्तर बढ़ाता है, जो हमें खुश और संतुष्ट महसूस कराते हैं। सूर्योदय का समय ध्यान और एकाग्रता का समय होता है। यह समय हमारे मस्तिष्क को शांत और केंद्रित करता है, जो हमें अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है, जबकि सूर्यास्त का समय आराम और शांति का समय होता है। यह समय हमारे शरीर में मेलाटोनिन जैसे हार्मोन्स का स्तर बढ़ाता है, जो हमें आराम और नींद की ओर ले जाता है। सूर्यास्त का समय विचार और आत्म-विश्लेषण का समय होता है। यह समय हमारे मस्तिष्क को शांत और केंद्रित करता है, जो हमें अपने दिन के अनुभवों पर विचार करने और आत्म-विश्लेषण करने में मदद करता है। सूर्यास्त का समय संबंध और प्रेम का समय होता है। यह समय हमारे मस्तिष्क में ऑक्सीटोसिन जैसे हार्मोन्स का स्तर बढ़ाता है, जो हमें दूसरों के साथ जुड़ने और प्रेम करने के लिए प्रेरित करता है।

हम सबको मोहने वाले सूर्योदय और सूर्यास्त का समय सौंदर्य और विज्ञान का अनूठा संगम होता है। यह समय न केवल हमें प्रकृति की शोभा का अनुभव कराता है, बल्कि हमारे मन को प्रफुल्लता और असीम संतोष से भर देता है। यही कारण है कि जीवन को थोड़ा और सार्थक कर देने वाले ये दृश्य पर्यटकों को ही नहीं प्रत्येक व्यक्ति की विश लिस्ट में प्राथमिकता से होते हैं।

महाराणा प्रताप बस्ती के कार्यक्रम स्थल का भूमि पूजन संपन्न

धार। महाराणा प्रताप बस्ती में हिंदू उत्सव समिति द्वारा 4 जनवरी को होने भव्य हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम स्थल का भूमि पूजन विधिवत मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महारानी शैलाराजेपंवार थी जिन्होंने परंपरागत विधि से भूमि पूजन किया। समिति के संयोजक ओम राठौर, सह संयोजक बाबूलाल शर्मा एवं संजीव तिवारी ने भूमि पूजन के पश्चात आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। समिति ने बताया कि यह कार्यक्रम क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विजय सिंह राठौर, सिद्धार्थ जैन, पवन गर्ग, डॉ रमाकांत मुकुट, राकेश दुर्गेशवर, संजय गुजराती, संगीता गुने, डॉ प्रमिला सिसोदिया, अनीता मुकुट, पूजा वर्मा, सिद्धी शेंडगे, नंदा चौधरी मधु शर्मा, समीक्षा चतुर्वेदी एव समाजजन शामिल हुए। जानकारी महेंद्र सिंह ठाकुर ने दी ।

निर्माण कार्य में लापरवाही या घटिया गुणवत्ता का काम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : पार्वती बारस्कर

बैतूल। शहर के विभिन्न वार्डो में इन दिनों डामरीकरण का कार्य चल रहा है। इसी तारतम्य में चंद्रशेखर वार्ड में सड़क का डामरीकरण कार्य मंगलवार को किया गया। जिसका निरीक्षण मंगलवार दोपहर को नगरपालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर ने नगर पालिका के कर्मचारियों के साथ किया। नपाध्यक्ष श्रीमती बारस्कर ने सड़क निर्माण

कार्य का बारीकी से निरीक्षण कर नगरपालिका बैतूल के सब इंजीनियर महेंद्र राठौर एवं सडक निर्माण कर रही कंपनी बालाजी कंस्ट्रक्शन के सुपरवाइजर राहुल खांडवे को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बता दे कि लोगों की सुविधाओं के लिए नगरपालिका द्वारा शहर के वार्डो में निर्माण कार्य व सड़कों का डामरीकरण कार्य करवाये जा रहे है। चंद्रशेखर वार्ड में बालाजी कंस्ट्रक्शन द्वारा सड़क का डामरीकरण किया जा रहा है। निर्माण की गुणवत्ता देखने के लिए मंगलवार को स्वयं नगरपालिका अध्यक्ष वार्ड में पहुंची। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि निर्माण कार्य में लापरवाही या गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इस दौरान उन्होंने वार्डवासियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं भी सुनी। इस दौरान बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

नूतन वर्ष में नूतनडंगा सेक्टर पहुंचेंगे कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय डागा

1 जनवरी को नूतनडंगा और चिखलपाटी में लेंगे कार्यकर्ताओं की बैठक

बैतूल। नूतन वर्ष के पहले दिन कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नूतनडंगा सेक्टर में बूथ वाइस बैठकों का आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय डागा 1 जनवरी, गुरुवार को नूतनडंगा सेक्टर का दौरा करेंगे और अलग-अलग स्थानों पर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करेंगे। यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से

महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें जमीनी स्तर पर कांग्रेस की स्थिति को परखने और आगामी रणनीति तय करने पर जोर रहेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 2.30 बजे नूतनडंगा में पहली बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में इमलीखेड़ा, नूतनडंगा और हिरणघाटी बूथों के कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की भूमिका, मतदाता संपर्क और क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। जिलाध्यक्ष निलय डागा कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुनेंगे। इसके बाद शाम 4 बजे चिखलपाटी में दूसरी बैठक आयोजित की जाएगी। यहां चिखलपाटी और मरकाढाना पोलिंग के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक चर्चा की जाएगी। बैठक में आगामी राजनीतिक गतिविधियों और संगठन के विस्तार को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। इन बैठकों में कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय डागा के साथ विधानसभा प्रभारी लवलेश बब्बा राठौर, ब्लॉक प्रभारी सुरेंद्र सिंह राजपूत, चोपना ब्लॉक अध्यक्ष मनी मंडल और नूतनडंगा मंडल अध्यक्ष निताईकार भी उपस्थित रहेंगे। सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से संगठन की वर्तमान स्थिति पर फीडबैक लेंगे।

प्राकृतिक खेती से धरती और परिवार दोनों का स्वास्थ्य संरक्षित और संवर्धित होता है: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के प्रकल्पों का किया जाएगा विस्तार, स्वयं प्राकृतिक खेती कर कृषकों को कर रहे हैं प्रेरित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल एक कृषि तकनीक नहीं, बल्कि जीवन जीने का भारतीय पद्धति है। इससे किसानों की लागत घटाने, आय बढ़ाने और उन्हें बाहरी निर्भरता से मुक्ति मिलती है। इसके उत्पादन से हमारे धरती का और परिवार का स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि अपने खेती योग्य भूमि में से 10 प्रतिशत भूमि में प्राकृतिक खेती करें तथा स्वस्थ्य रहें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल रीवा के हरिहरपुर में स्वयं प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। उन्होंने आज अपने खेतों में प्राकृतिक खेती का निरीक्षण किया। प्राकृतिक खेती से पालक, मेथी, धनिया, बथुआ, चौराई, शलजम गाजर आदि सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है। साथ ही प्राकृतिक बीजामृत से गेहूँ की फसल बोई गई है जिसमें गोबर की खाद का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि यूरिया के विकल्प के तौर पर कल्चर का उपयोग गेंहू की फसल में उत्पादन के लिये किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्राकृतिक खेती को आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि रीवा जिले को प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में अग्रणी जिला बनाना है। जिले में बसामन मामा गौवन्य विहार में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ हो चुका है। हरिहरपुर फार्म में क्षेत्र के किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जायेगा और उन्हें यहां का भ्रमण कराकर प्राकृतिक खेती करने के लिये प्रेरित किया जायेगा। इसी क्रम में हिनौती गौधाम में भी प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण केन्द्र बनाया जायेगा।

पीपल के पौधों का किया रोपण, केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने किया था आह्वान- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल कहा कि गौशालाएं गौसंरक्षण केन्द्र नहीं बल्कि कृषि आदानों के उत्पादन के आर्थिक केन्द्र के रूप में विकसित की जा रही है। गोबर व मूत्र से तैयार जीवामृत, बीजामृत और पंचगव्य जैसे प्राकृतिक इनपुट मिट्टी के सूक्ष्म जीवों में सक्रिय रहते हैं और भूमि की उर्वरता को दीर्घकाल तक बढ़ाते है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने फार्म में पीपल के पौधों का रोपण किया। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने बसामन मामा गौ-वन्य विहार में नागरिकों से पीपल के पौधों के रोपण और संरक्षण संवर्धन का आह्वान किया था। उन्होंने अपने पूज्य पिता जी के समाधि स्थल पहुंचकर उनका पुण्य स्मरण किया व श्रद्धांजलि दी।

देश को ऊंचाई पर बनाए रखने का कार्य नई पीढ़ी करेगी : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश को ऊंचाई पर बनाए रखने का कार्य नई पीढ़ी को ही करना है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शासकीय मार्तण्ड क्रमांक दो विद्यालय में कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को साइकिल का वितरण किया। उन्होंने दो करोड़ रुपए की लागत से बनाए जाने वाले 12 अतिरिक्त कमरों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गुरूजनों का दायित्व है कि वह बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार दें। शिक्षकों में प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए कि उनके विद्यार्थी आगे बढ़ें। बच्चों की प्रतिभा को पहचानें और उनको विकसित करने में अपनी भूमिका का निर्वाह करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की भावना जागृत करना आवश्यक है। इसके साथ उन्हें संवेदनशील भी बनाना चाहिए ताकि देश व समाज के लिए वह अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाएं व कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राशन वितरण के कार्य में आयेगी तेजी, राशन उपभोक्ताओं को नहीं होना पड़ेगा परेशान

एल-जीरो की जगह अब एल-1 बायोमेट्रिक स्कैनर करेगा थंब स्कैन

एस. द्विवेदी, बैतूल। राशन दुकानों की पीओएस मशीनों में एल-जीरो की जगह एल-1 बायोमेट्रिक स्कैनर लगाये गये है। जिसे लेकर कहा जा रहा है कि ग्राहकों को थंब मैचिंग (अंगूठा मिलान) के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। एल-1 बायोमेट्रिक स्कैनर में एडवांस स्कैनर होने से यह आसानीपूर्वक अंगूठे के निशान को मैच कर लेता है। इससे ग्राहको को ज्यादा देर राशन दुकानों पर खड़ा नहीं रहना पड़ेगा और राशन वितरण प्रणाली भी आसान हो जायेगी। सेल्समेन भी जल्दी-जल्दी काम निपटा सकेंगे। दअरसल सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधार आधारित और पारदर्शी बनाने के लिए उचित मूल्य दुकानों पर स्थापित पीओएस मशीनों में एल-1 बायोमेट्रिक स्कैनर लगाये गये है। संचालनालय द्वारा जारी आदेश में यूआईडीएआई के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा गया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत पात्र हितग्राहियों को राशन वितरण के लिए उच्च स्तरीय बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण आवश्यक है। इसी के तहत राज्य की सभी उचित मूल्य दुकानों पर पीओएस मशीनों में एल-1 बायोमेट्रिक स्कैनर लगाए जाने का निर्णय लिया गया। बताया जा रहा है कि बैतूल जिले में यह काम शत-प्रतिशत हो चुका है और अब राशन दुकानों पर उपभोक्ताओं के थंब इसी सॉफ्टवेयर के जरिये मैच किये जायेगे।

662 दुकानों से 3 लाख से अधिक उपभोक्ता लेते है राशन- जिले में 662 दुकानें हैं जिनके माध्यम से 3 लाख, 9 हजार, 290 उपभोक्ता हर महीने राशन प्राप्त करते हैं। पीओएस मशीनों के जरिए राशन प्राप्त करने में उपभोक्ता या परिवार के किसी एक सदस्य को अपने अंगूठे का निशान भी लगाना होता है। इसका मिलान होने के बाद ही राशन मिलता है। कई बार थंब मैच नहीं होने पर लोगों को बिना राशन वापस लौटना पड़ता था,

लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार पीओएस मशीनों में एल-1 बायोमैट्रिक स्कैनर नया और एडवांस स्कैनर है। यह सभी प्रकार के अंगूठे को स्कैन कर पायेगा। जिससे लोग जल्दी ही राशन लेकर अपने घर लौट सकेंगे।

अभी तक था एल-जीरो स्कैनर पर होता था काम – अभी तक राशन दुकानों पर जिन मशीनों का उपयोग हो रहा है, उनमें एल-जीरो सॉफ्टवेयर इंस्टाल होकर आया था। यह मशीनें यूआईडीएआई के पोर्टल से डाटा मैच करती हैं। अभी तक यूआईडीएआई द्वारा एल-जीरो स्कैनर का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा जहां-जहां भी बायोमैट्रिक मशीनों से सत्यापन होता है, वहां सभी जगह भी इसी स्कैनर उपयोग किया जाता था। लेकिन अब यूआईडीएआई ने साफ कह दिया है कि भविष्य में एल-जीरो स्कैनर से काम नहीं चलेगा। यूआईडीएआई ने सभी को एल-वन स्कैनर इंस्टाल करने को कहा है। जिसके बाद जिले की सभी राशन दुकानों की पीओएस मशीनों में एल-1 बायोमैट्रिक स्कैनर इंस्टॉल कर दिया गया है, जो स्कैनर का एडवांस फीचर है।

उद्देश्य, वास्तविक लाभार्थी को मिले राशन- एल-1 बायोमेट्रिक स्कैनर का उद्देश्य यह है कि वास्तविक लाभार्थी को ही राशन मिले और अंगुलियों के कमजोर निशान, बुजुर्गों या श्रमिकों की पहचान में आ रही दिक्कतों को कम किया जा सके। बताया गया कि राशन दुकानों को जो पीओएस मशीनें दी गई है वह सालों पुरानी हो चुकी हैं, जिनमें कई बार तकनीकी खराबी आती थी और असर राशन वितरण प्रणाली पर पड़ता था। वहीं कमजोर निशान, बुजुर्गों या श्रमिकों की पहचान में भी देरी होती थी। इन सभी कारणों को दृष्टिगत रखते हुए और उपभोक्ताओं को खाद्यान्न वितरण किए जाने में पारदर्शिता बरते के लिए ही पीओएस मशीनों में एल-1 स्कैनर लगाया जा रहा है, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर राशन का वितरण किया जा सके।

नवांकुर संस्थाओं की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

बैतूल। मप्र जन अभियान परिषद बैतूल द्वारा गठित नवांकुर संस्थाओं की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन भारत भारती जामठी के किसान प्रशिक्षण केंद्र में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मोहन नागर उपाध्यक्ष म.प्र.जन अभियान परिषद (राज्य मंत्री दर्जा), बुधपाल ठाकुर जन अभियान परिषद अशासकीय सदस्य एवं संभाग समन्वयक नर्मदापुरम कौशलेश तिवारी की उपस्थिति रही। सर्वप्रथम माँ भारती का पूजन किया गया। संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी ने सभी नवांकुर संस्थाओं का परिचय एवं अपने अपने सेक्टर में किए गए कार्यों की जानकारी ली। जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी द्वारा जिले का प्रतिवेदन अतिथियों के समक्ष रखा गया। बुधपाल द्वारा प्रस्फुटन समिति में संस्कार केंद्र एवम वाचनालय स्थापित करने हेतु मार्गदर्शन दिया। उपाध्यक्ष द्वारा ग्राम विकास पर रचित सुंदर गीत भी प्रस्तुत किया और जिले व विकासखण्ड के अनुसार परिषद के कार्यों की समीक्षा की व आगामी कार्यक्रमों व योजनाओं के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश दिये। साथ ही सभी संस्थाओं का मार्गदर्शन किया व अच्छे कार्यों जैसे बोरी बंधान एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में बैतूल जिले द्वारा एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू में समय के पूर्व प्रवेश करने हेतु के कार्यों की प्रशंसा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर ने कहा कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद स्वैच्छिकता और स्वावलंबन के आधार पर प्रदेशभर में उल्लेखनीय जनकल्याणकारी कार्य कर रही है। आगामी समय में ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश के माध्यम से मध्यप्रदेश की 8500 पंचायतों में ग्रामोत्सव का आयोजन किया जावेगा। जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक ग्राम पंचायत तक, जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। आगामी कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा कर अपने लक्ष्य पूरा करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी, वि. समन्वयक श्रीमती राधा बरोदे,श्रीमती मधु चौहान, श्रीमती जयप्रकाशी परते, विकास कुमरे, अरविंद माथंकर, राजू मांडवे, जिला कार्यालय से दिनेश पंवार एवं स्टाफ सहित नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में आभार विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती राधा बरोदे द्वारा किया गया। बैठक का समापन वंदे मातरम गीत के साथ हुआ।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण में कोताही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

राजस्व की सर्वाधिक शिकायतों पर कलेक्टर ने अधिकारियों के अवकाश पर लगाया प्रतिबंध

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में प्रात: 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में एक-एक कर सभी आवेदकों से संवाद किया और उनकी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया, वहीं शेष मामलों में समय-सीमा तय करते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भूमि विवाद, प्रधानमंत्री एवं विद्युत, पेयजल, आवास से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आई। इस दौरान नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, अतिक्रमण, भूमि रिकॉर्ड में सुधार सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों को लेकर बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। इसे गंभीरता से लेते हुए

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार नियमित रूप से कार्यालय में रहकर प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई में कुल 143 आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जमीन की नपाई कर कब्जा दिलाने के निर्देश- जनसुनवाई में प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम सवंगी निवासी वासुदेव अंबुलकर ने आवेदन के माध्यम से पटवारी, आरआई और तहसीलदार से जमीन नापवाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार प्रभात पट्टन को जमीन की नपाई कर प्रकरण का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आमला तहसील के ग्राम तोरनवाडा निवासी आशा कापसे ने बाड़ी की नपाई कर कब्जा दिलाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने आमला तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

लायंस इंटरनेशनल के 'नमस्ते इंडिया यूथ कैंप एंड एक्सचेंज प्रोग्राम' के अंतर्गत ग्यारह सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय लियो प्रतिनिधिमंडल ऐतिहासिक नगरी धार पहुंचा

धार। लायंस इंटरनेशनल के 'नमस्ते इंडिया यूथ कैंप एंड एक्सचेंज प्रोग्राम' के अंतर्गत ग्यारह सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय लियो प्रतिनिधिमंडल अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान ऐतिहासिक नगरी धार पहुँचा।

लायंस क्लब धार द्वारा रीजन चेयरपर्सन लायन हेमा जोशी के नेतृत्व में सभी अतिथियों का लायंस दीनदयाल रसोई परिसर में पारंपरिक भारतीय रीति-रिवाजों के अनुरूप तिलक लगाकर एवं दुपट्टा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर यात्रा की मेंटर डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 की यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम की डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर लायन शालिनी भार्गव ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम विभिन्न देशों की संस्कृति, सेवा भावना एवं आपसी सद्भाव को समझने का सशक्त माध्यम है। इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल लियो सदस्यों–लियो सुहैल अहमद

(कालिम्पोंग), लियो वेजास (लिथुआनिया), लियो अभय शर्मा (राजगढ़), लियो कैमिला (इटली), लियो उदित ठाकुर (वाराणसी), लियो मार्को (ब्राज़ील), लियो सौम्या पटेल (प्रयागराज), लियो वेलेंटीना (इटली), लियो हर्षित गुप्ता (वाराणसी) एवं लियो लुडो (इटली)–ने परिचय बैठक के दौरान अपने अनुभव एवं यात्रा संस्मरण साझा किए।

परिचय बैठक के उपरांत सभी अतिथियों के सहयोग से गरीब एवं जरूरतमंदों को विशेष भोजन परोसा गया, साथ ही गरीब मरीजों एवं असहाय वृद्धजनों को कंबल एवं दरियाँ भेंट की गईं। लियो सदस्यों ने लायंस दीनदयाल रसोई की व्यवस्थाओं को नजदीक से देखा तथा सभी ने एक साथ बैठकर भोजन किया।

इस अवसर पर लायन शालिनी भार्गव ने लायंस क्लब धार द्वारा संचालित सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए इसे समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

रसोई परिसर से विदाई के पश्चात लायंस क्लब धार द्वारा सभी अतिथियों को गाइड के साथ क्षेत्र की ऐतिहासिक नगरी मांडव का भ्रमण भी कराया गया।

धार विधानसभा स्तरीय भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

भाजपा की दोनों ही सरकार जनसेवा, विश्वास और विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है : पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा

धार। धार विधानसभा अंतर्गत अटल स्मृति वर्ष एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा सरकार के विकास और सेवा के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय धार में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को मुख्य वक्ता प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती, विधायक नीना वर्मा ,किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोंदिया ,भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गीय, जिला महामंत्री देवेंद्र सोनोने मंचासीन रहे।

भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन के पूर्व में सभी अतिथियों ने भारत माता व पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर आरंभ किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हो या मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार, दोनों ही जनसेवा, विश्वास और विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। सरकार की जनकल्याणकरी योजनाओं से

विकास कार्य होने पर जनमत हासिल होता है और जनमत से सरकारें बनती हैं यह सिर्फ भाजपा सरकार में ही संभव है गांव के प्रत्येक मकान पक्के बना रहे हैं गांव भी समृद्ध हो रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी और विधानसभा के कार्यकर्ताओं की मेहनत, परिश्रम और लगन की सराहना की। भारती ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था आने वाला समय भारत का होगा विवेकानंद जी का सपना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पूरा कर रहे हैं 21वीं सदी भारत की सदी है। उन्होंने मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के आगामी चरण में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से सक्रिय रूप से जुटने का आह्वान किया।

विधायक नीना वर्मा ने अपने संबोधन में विकास कार्यों एवं सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जन-जन को मिलने वाले लाभ की जानकारी देते हुए सरकार के दो वर्षों की उपलब्धियां गिनाई।उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में बीते दो वर्षों में जनता से जुड़े विकास कार्यों की लंबी फेहरिस्त तैयार हुई है। अधोसंरचना से लेकर मूलभूत सुविधाओं तक सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। सत्ता और संगठन के समन्वय से योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। अटल जी की जन्मशती वर्ष पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि अब देश में जो विकास दिखाई दे रहा है, उसकी मजबूत नींव परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने रखी थी। यह सरकार किसान हितेषीय सरकार है अनेकों योजना से किसान लाभान्वित हो रहे हैं जिले में भाजपा सरकार ने बड़ी सौगात दी है जिसमें मेडिकल कॉलेज पीएम मित्र पार्क विधि विद्यालय जैसी अनेक विकास कार्यों से धार विकास की गति में आगे बढ़ रहा है कांग्रेस तो सिर्फ विकास में बाधाए बनने का काम कर रही है।

इस अवसर पर भाजपा जिला पदाधिकारी राखी राय ,अमृत जैन , कपिल निनामा , सुभाष जायसवाल ,विनीत मंडलोई रंजीत भंडारी, मोहित तातेड़ ,मनीष प्रधान, संजय शर्मा मंडल अध्यक्ष सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन जिला मंत्री आरती पटेल व आभार मंडल अध्यक्ष जयराज देवड़ा ने माना।

संक्षिप्त समाचार

नेशनल मैथमेटिक्स डे के अवसर पर एक भव्य और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज नर्मदापुरम में नेशनल मैथमेटिक्स डे के अवसर पर एक भव्य और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में (मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी) के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री रामानुजन के चित्र पर माल्यार्पण और उनके जीवन परिचय से हुई। नोडल अधिकारी श्री अंकुर सक्सेना ने गणित के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला, और बताया कि कैसे रामानुजन ने अल्प संसाधनों के बावजूद विश्वस्तरीय योगदान दिया, जो आज भी प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर क्विज प्रतियोगिता और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने गणितीय ज्ञान, तर्कशक्ति और व्यावहारिक उपयोग पर अपनी प्रतिभा दिखाई। एक विशेषज्ञ व्याख्यान में गणित की औद्योगिक, तकनीकी और दैनिक जीवन में भूमिका पर चर्चा की गई, खासकर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. पी.सी. नरवरे, विभागाध्यक्ष श्री आर.आर.चंद्राकर, श्री देवेश तिवारी और संस्था के सभी शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि गणित के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसितकिया।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने दिए गौवंशों के अवैध परिवहन में शामिल वाहनों को राजसात करने के आदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना ने मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम 2004 की धारा 11 (5) के तहत गौवंशों के अवैध परिवहन में शामिल चार वाहनों को शासन पक्ष में अधिहरण/राजसात करने के आदेश पारित किए हैं। संयुक्त कलेक्टर नर्मदापुरम ने बताया कि उक्त आदेशानुसार कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने 06 गौवंश के परिवहन करते हुए वाहन मालिक कमल पिता रामसिंह यादव ग्राम आंखमउ तह. माखननगर के वाहन पिकअप एमपी 05 जी 6400, 46 गौवंश के परिवहन करते हुए वाहन मालिक अजय बोरासी पिता राजेश बोरासी दादरा एवं नगर हवेली (यूटी) के वाहन आयसर ढक डीडी01टी9744, 5 गौवंश के परिवहन करते हुए वाहन मालिक कमलसिंह पिता स्व. रामसिंह यादव ग्राम आंखमउ तह. माखननगर के वाहन पिकअप, एमपी 05 जी 6400 तथा 4 गौवंश के परिवहन करते हुए वाहन मालिक राजू इवने पिता सोनू इवने ग्राम पाटाखेडा थाना चिचोली जिला बैतूल के वाहन पिकअप एमपी 48 जी को अधिहरण/राजसात करने के आदेश पारित किए है।

पिपरिया में 18 गांवों के लोगों का धरना, दिया ज्ञापन

पिपरिया(निप्र)। पिपरिया के मटकुली में वन विभाग के मास्टर प्लान के विरोध में विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में लगभग 18 गांवों के नागरिक और महिलाएं शामिल हुई। प्रदर्शनकारियों ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के निदेशक के नाम एक ज्ञापन भी दिया। यह धरना प्रदर्शन मटकुली क्षेत्र बचाओ संघर्ष समिति की ओर से आयोजित किया गया था। समिति का मुख्य उद्देश्य वन विभाग की ओर की जा रही कथित मनमानी के खिलाफ आवाज उठाना था, विशेषकर मास्टर प्लान के संबंध में। ग्रामीणों में इस मास्टर प्लान को लेकर गहरा आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि यह पूरा मास्टर प्लान अंग्रेजी भाषा में है। उनका आरोप है कि इसे इस तरह से तैयार किया गया है ताकि गरीब, कम पढ़े-लिखे और आदिवासी वर्ग के लोग इसे समझ न सकें और सही ढंग से अपनी आपत्तियां दर्ज न करा सकें। ग्रामीणों का मानना है कि इससे यह प्रतीत होता है कि टाइगर रिजर्व अपनी मनमानी से मास्टर प्लान को लागू करना चाहता है। उनका कहना है कि यदि ऐसा होता है, तो मानव अधिकारों का हनन होगा, क्षेत्र में निवास कर रहे लोगों का अहित होगा, और वे अपने मूल अधिकारों से वंचित रह जाएंगे। इससे उनकी रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो जाएगा और उन्हें यह क्षेत्र छोड़कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ज्ञापन के जरिए एसटीआर निदेशक से नागरिकों के हितों का ध्यान रखने और उचित कार्यवाही करने की अपेक्षा जताई गई है।

■ यशवंतपुर हजरत निजामुद्दीन और संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का स्टापेज यह ट्रेन विदिशा के लिए समर्पित : केंद्रीय कृषि मंत्री

मेरे जीवन के दो आदर्श हैं एक प्रेम है और दूसरा जनता की सेवा : शिवराज सिंह चौहान

विदिशा (निप्र)। केंद्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा रेल्वे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे जीवन के दो आदर्श हैं एक प्रेम है और दूसरा जनता की सेवा, सबसे प्रेम करो हम सब एक ही परिवार हैं। जनता की सेवा ही मेरे लिए भगवान की पूजा है। विदिशा के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। आज समाज के अलग-अलग वर्गों के कल्याण के लिए केंद्र व राज्य सरकार की योजनाएं क्रियान्वित हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि विकास के लिए कनेक्टिविटी अति आवश्यक है इसलिए विदिशा को सड़क व रेल के माध्यम से जोड़ने के नित निरंतर प्रयास जारी हैं। विदिशा रेल्वे स्टेशन पर आयोजित ट्रेनो के स्टापेज को समर्पित करते हुए उन्होंने बताया कि विदिशा स्टेशन पर गाडी संख्या 12629/12630, 16031/16032 और गाडी संख्या 18235/18236 को प्रायोगिक ठहराव हाल्ट शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यशवंतपुर हजरत निजामुद्दीन और संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का प्रदेश में दूसरा स्टापेज विदिशा है। इस सुविधा से विदिशा के नागरिकों का आना-जाना आसान होगा। इन नवीन स्टापेज से विदिशा के नागरिकों को सहूलियत मिलेगी। पढ़ाई, रोजगार, व्यापार, उद्योग इत्यादि के लिए यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि विदिशा, बासौदा, गुलाबगंज के विकास में कोई कसर नहीं रहेगी यह ट्रेने विदिशा के लिए समर्पित हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा जिले में क्रियान्वित योजनाएं व विकास कार्यों के संबंध में कहा कि विदिशा संसदीय क्षेत्र के नागरिकों व किसानों के लिए पानी पहुंच व्यवस्थाएं सुगम बनाने के लिए अब 11 बांध बनाए गए हैं, सड़कों का जाल भी बिछाया है। उन्होंने कहा कि विदिशा से भोपाल तक सड़क निर्माण के कायाकल्प की योजना स्वीकृत है। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए विदिशा में आलीशान अस्पताल बनाया गया। वर्तमान समय में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अद्भुत योजनाएं क्रियान्वित हैं। उन्होंने कहा कि विकास गांव का हो या शहर का केंद्र व राज्य सरकार दोनों मिलकर कार्य कर रही है। सब मिलकर एक ही दिशा में कार्य कर रहे हैं। ग्रामों के विकास में भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है। सड़क, पुल, पुलिया, स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी भवन से लेकर अनेक कार्य किए गए हैं। उन्होंने ग्रामीण विकास के मामलो में बजट की राशि की की गई वृद्धि को रेखांकित किया। बेहतर ढंग से गांव का विकास हो जाए विकसित भारत के लिए यह जरूरी है। विकसित, स्वावलंबी, रोजगार युक्त और गरीबी मुक्त गांव बने यही केंद्र व राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम को विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, विदिशा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा ने भी सम्बोधित किया। विदिशा रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म एक में आयोजित उक्त कार्यक्रम में कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, डीआरएम, स्टेशन मास्टर समेत रेल्वे के अन्य अधिकारी तथा जिले के प्रशासनिक अधिकारी, मौजूद रहे।

नववर्ष 2026 के दृष्टिगत मध्यप्रदेश पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था

नशे में वाहन चलाने वाले और कानून का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों को दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। नववर्ष 2026 के दौरान प्रदेश में कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने पूरे प्रदेश में आज दिनांक 28 दिसंबर शाम से 1 जनवरी की रात तक सघन चेकिंग और गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए है।

गत वर्ष पुलिस अधिकारियों एवं मैदानी बल की सक्रियता से असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर अभूतपूर्व नियंत्रण रहा था। इसी क्रम को जारी रखते हुए इस वर्ष भी प्रदेश में कानून-व्यवस्था, आमजन की सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस पूर्ण मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगी। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी रैंक के फील्ड अधिकारी स्वयं सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था का नेतृत्व करेंगे। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की अधिक तैनाती रहे। शराब पीकर वाहन चलाने , तेज रफ्तार ड्राइविंग, छेड़खानी और महिलाओं के साथ होने वाली अभद्रता को रोकने के लिए पुलिस द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि पहलगाम घटना तथा ऑपरेशन 'सिंदूर' के मद्देनजर मॉल, बाजार, होटल, रिसॉर्ट, पिकनिक स्पॉट (नदी, बांध, झील) और मंदिरों में भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात करे।

सूचीबद्ध गुंडा-बदमाशों और अशांति फैलाने वाले तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। किसी भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही नियंत्रित करने की रणनीति पर काम किया जाए।

उन्होंने वीवीआईपी/वीआईपी सुरक्षा सहित सभी मोर्चों पर सुरक्षा व्यवस्था के प्रति पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

डीजीपी श्री मकवाणा ने जिलों में होने वाली किसी भी महत्वपूर्ण घटना की जानकारी तत्काल पुलिस मुख्यालय को साझा करने के निर्देश दिए। साथ ही विशेष शाखा द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए ।

मध्यप्रदेश पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि नववर्ष सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाएँ। कृपया भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्कता बनाए रखें, और जागरूक रहकर दूसरों को भी जागरूक करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय घटना की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या डायल-112 पर दें।

पचमढ़ी में चारों तरफ बिखर रहा मनोरंजन का भरपूर रंग संगीत, नृत्य, जादू और हास्य से गूंज उठा मेला परिसर

नर्मदापुरम (निप्र)। पचमढ़ी महोत्सव के अंतर्गत आयोजित मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को खूब लुभाया। बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों ने रंगारंग प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया और संगीत की धुनों पर जमकर थिरके। पूरा मेला परिसर उत्साह और उमंग से सराबोर नजर आया। मेले में मैजिक शो आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत मैजिक शो ने सभी को स्तब्ध कर दिया।

मेले में आए मैजिशियन एवं माइंड रीडर द्वारा दिखाई गई विभिन्न जादुई कलाओं ने दर्शकों को अवाक कर दिया और तालियों की गूंज से पूरा परिसर गूंज उठा। हास्य कलाकार ने अपने चुटकुलों और विंग्य से मेले में समां बांध दिया। स्टैंडअप कॉमेडियन राजा रेंचो ने अपने चुटीले संवादों और हास्यपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। उनकी प्रस्तुति के दौरान

हंसी के ठहाकों से पूरा मेला क्षेत्र गूंज उठा। शास्त्रीय व बॉलीवुड नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया।

सभी ने प्रस्तुतियों को खूब सराहा। शास्त्रीय नृत्यांगना सुश्री ऋतंभरा कुशवाहा की भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही आकर्षक बॉलीवुड नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इसी प्रकार गायक कलाकार जतिन श्रॉफ एवं लक्ष्मी सिंह की मधुर गायकी पर दर्शक झूमते नजर आए। वहीं मुंबई से आए प्रसिद्ध गायक अतुल पंडित की दमदार प्रस्तुति ने कार्यक्रम की भव्यता को दोगुना कर दिया।

बांग्लादेशी हिंदुओं पर अत्याचार का विश्व हिंदू परिषद -बजरंग दल ने किया विरोध

नर्मदापुरम/पिपरिया । पिपरिया में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया। मंगलवारा चौक पर बांग्लादेश के राष्ट्रपति का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री के पोस्टर पर जूते मारे और वाहन दौड़ाए।

'आष्टा-रानीपुरा जल परियोजना - सीहोर के गाँवों में विकास की नई धारा'

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में ग्रामीण जीवन को बदलने वाली आष्टा-रानीपुरा समूह जल प्रदाय परियोजना आज एक मील का पत्थर बनने जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत 1478 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रही यह परियोजना केवल एक विकास कार्य नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्थायी बदलाव लाने वाला सशक्त माध्यम है। सुरक्षित पेयजल की कमी से परेशान सैकड़ों गांवों के लिए यह योजना उम्मीद की ऐसी किरण बनी है, जिसने क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य 719 गांवों के 91,972 परिवारों तक नल कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है और प्रशासन की दृढ़ता तथा सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है कि आज इस परियोजना की कुल भौतिक प्रगति 62 प्रतिशत हो चुकी है। इंटेक वॉल का 65%, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का 70%, तथा 245 में से 175 ओवरहेड टैंक पूर्ण हो चुके हैं। 05 इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशनों में से 3 का निर्माण भी पूरा हो चुका है, जबकि 4,625 किमी लंबी पाइपलाइन में से 2,225 किमी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। यह गति सिद्ध करती है कि यह परियोजना किस तरह एक सुव्यवस्थित और पारदर्शी कार्यप्रणाली के साथ आगे बढ़ रही है। इस परियोजना के पीछे केवल तकनीकी प्रगति ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक नेतृत्व और जनसहभागिता का शानदार समन्वय भी है। मध्यप्रदेश जल निगम, जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सतत निरीक्षण एवं मार्गदर्शन ने परियोजना को मज़बूत आधार प्रदान किया है। वहीं ग्राम स्तर पर जल समितियों की सक्रिय भागीदारी ने इस योजना को स्थायी और सामुदायिक स्वरूप दिया है। परियोजना के पूर्ण होने पर आष्टा-रानीपुरा क्षेत्र के गांवों में हर घर नल से जल पहुँचने लगेगा। इससे महिलाओं और बच्चों को पानी लाने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी, जलजनित रोगों में कमी आएगी, स्कूली शिक्षा में नियमितता बढ़ेगी और स्वास्थ्य स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह योजना सिर्फ पेयजल उपलब्ध कराने की पहल नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक परिवर्तन लाने वाला सामाजिक-आर्थिक सुधार भी है। आष्टा-रानीपुरा समूह जल प्रदाय परियोजना इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार की नीतियाँ, प्रशासन की कार्यकुशलता और जनता की सहभागिता एक साथ काम करती है, तब बदलाव केवल कागज़ पर नहीं, बल्कि ज़मीन पर दिखाई देता है। यह परियोजना आने वाले समय में सीहोर जिले की सबसे प्रेरक परियोजना के रूप में याद की जाएगी–एक ऐसी परियोजना जिसने हजारों परिवारों के जीवन में स्वच्छ जल की धारा के साथ उम्मीद, स्वास्थ्य और विकास की नई शुरुआत की।

प्रोटेक्ट टुडे, सिक्योर टुमारो थीम के साथ पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

पर्यावरण संरक्षण को लेकर नर्मदापुरम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में गत दिवस बालागंज बंसत टॉकिज के पास बी.टी.आई. रोड नर्मदापुरम में 'प्रोटेक्ट टुडे, सिक्योर टुमारो' थीम के साथ एक पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान में पर्यावरण की रक्षा कर भविष्य को सुरक्षित बनाना था।

इस अवसर पर, पर्यावरणीय असंतुलन और बढ़ते प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। बताया गया कि महानगरों में पेड़-पौधों की कटाई, जलवायु परिवर्तन, कचरा जलाना और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के कारण स्थिति गंभीर हो गई है। आमजन से आह्वान किया गया कि वे अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों से बचें।

नालसा, नई दिल्ली द्वारा शीत ऋतु में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के मद्देनजर पैन इंडिया पर्यावरण विधिक साक्षरता एवं सामुदायिक संरक्षण पहल शुरू की गई है, जिसके तहत देशभर में विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में, उपस्थित जनों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई और संकल्प लिया गया कि वे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार अपनाएंगे और समाज में जागरूकता फैलाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने पुरस्कार वितरित किए

सांसद खेल महोत्सव के तहत विदिशा विधानसभा में खेल संपन्न हुए

विदिशा (निप्र)। विदिशा सांसद और केंद्रीय मंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने आज संसदीय खेल महोत्सव के तहत विदिशा विधानसभा क्षेत्र में संपन्न हुई खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं के साथ साथ विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शील्ड - मैडल प्रदाय कर सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव प्रतियोगिता का समापन रायसेन जिले में होगा। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव समापन प्रतियोगिता रायसेन में आयोजित की जाएगी जहां नगद राशि से विजेता, उप विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट और कबड्डी की प्रतियोगिता के अलग-अलग प्रथम तीन स्थान हासिल करने वाली टीमो को क्रमशः डेढ़ लाख, एक लाख और पचास हजार रूपए की नगद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। फुटबाल प्रतियोगिता के प्रथम दो विजेताओं को इक्कीस हजार और ग्यारह हजार रूपए की राशि प्रदाय की जाएगी।

समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि विदिशा विधानसभा क्षेत्र में मुख्य तय क्रिक्रेट, कब्बड्डी, रस्साकस्सी, निंबू रेस, कुर्सी रेस की प्रतियोगिता के अलावा सिर्फ विदिशा विधानसभा सभा में फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक स्वास्थ्यता और मन प्रसन्नचित रहता है। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने युवा खिलाड़ियों से कहा कि खेलो से भी भविष्य बनाया जा सकता है। उन्होंने देश के महानतम खिलाड़ियों का जिक्र करते हुए कहा कि मेहनत और धैर्य से खेलो का अभ्यास कर हम अपने शिखर को प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि मनुष्य अनंत शक्तियों का भण्डार है बस हमें उन शक्तियों को ध्यानगत रखते हुए उस क्षेत्र में आगे बढ़ना है। सांसद खेल महोत्सव आयोजन के अगले चरण में और बेहतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो में खेल मैदानो को विकसित किया जाएगा ताकि युवाजनो को अधिक से अधिक खेलने के लिए मैदानो की सहूलियते मिल सकें। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने भी सम्बोधित किया।

विदिशा के एसएसएल जैन कॉलेज परिसर में विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत क्रिकेट और कबड्डी प्रतियोगिता का फायनल मैच खेला गया। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया है। सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत स्थानीय एसएसएल जैन कॉलेज खेल मैदान पर विदिशा विधानसभा अंतर्गत आयोजित कबड्डी, क्रिकेट एवं फुटबॉल खेलो की विधानसभा स्तरीय फाइनल प्रतियोगिताएं संपन्न हुई जिसमें क्रिकेट में वेत्रवती मंडल को हराकर दुर्गा नगर मंडल विजेता रही कबड्डी महिला वर्ग प्रतियोगिता में गुलाबगंज मंडल को हराकर वेत्रवती मंडल विजेता रही कबड्डी पुरुष वर्ग में दुर्गा नगर मंडल को हराकर वेत्रवती मंडल विजेता रही फुटबॉल महिला वर्ग में वेत्रवती मंडल को हराकर गुलाबगंज विजेता रही फुटबॉल पुरुष वर्ग में दुर्गा नगर मंडल को हराकर वेत्रवती मंडल विजेता रहा। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विजेता उपविजेता टीमों एवं खिलाड़ियों को ट्राफी एवं मैडल देकर पुरस्कृत किया। सांसद खेल महोत्सव प्रतियोगिता के अंतर्गत विदिशा विधानसभा क्षेत्र की सम्पन्न हुई आज फायनल प्रतियोगिता के मैचो के दौरान आयोजन स्थल पर कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे, विदिशा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, खिलाड़ी और आयोजक समिति के सदस्यगणो के अलावा पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम मोहन यादव परिवार के साथ उमरिया पहुंचे

आज सुबह टाइगर रिजर्व की सफारी का आनंद लेंगे, निजी होटल में रात रूकेंगे

उमरिया (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को अपने पूरे परिवार के साथ उमरिया पहुंचे हैं, वे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों का दीदार करेंगे। उनके इस अचानक दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

सीएम सड़क मार्ग से होते हुए बांधवगढ़ के प्रसिद्ध ओबेरॉय होटल पहुंचेंगे, जहां वे अपनी फैमिली के साथ रात बिताएंगे और फिर अगली सुबह टाइगर रिजर्व की सफारी का आनंद लेंगे। बड़ी संख्या में पुलिस बल और जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर तैनात हैं।

निजी होटल में रात्रि विश्राम करेंगे पीएम- हवाई पट्टी से मुख्यमंत्री सरमनिया के लिए रवाना हो गए। टाइगर रिजर्व प्रबंधन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री के संभावित भ्रमण के मद्देनजर जंगल सफारी की तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। इसके लिए जिप्सी और रेस्ट हाउस के कमरे पहले ही बुक कर लिए गए हैं।

सीएम का यह दौरा व्यक्तिगत

जिला प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री का यह दौरा व्यक्तिगत है। इस कारण कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी आधिकारिक तौर पर साझा नहीं की गई है। हालांकि, सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियों में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है।

शाह के बाद शिवराज बोले- मोहन यादव ज्यादा ऊर्जावान

जीरामजी के खिलाफ प्रस्ताव पर कहा- ये संघीय ढांचे पर हमला, राहुल गांधी पर पलटवार किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को अपने निवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पंजाब सरकार और विपक्षी दलों पर हमला बोला। शिवराज ने कहा कि करीब 20 साल पहले मनरेगा योजना अस्तित्व में आई थी, उससे पहले भी कई योजनाएं आईं, लेकिन एक के बाद एक उनका स्वरूप और उद्देश्य बदलता चला गया।

वहीं, गृह मंत्री अमित शाह द्वारा ग्वालियर में मुख्यमंत्री की तारीफ किए जाने के सवाल पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि डॉ. मोहन यादव उनसे भी अधिक ऊर्जा और तेज गति से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश का विकास तेजी से हो रहा है और इसके लिए उनकी शुभकामनाएं मुख्यमंत्री के साथ हैं।

मनरेगा धीरे-धीरे भ्रष्टाचार का पर्याय बनी

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मनरेगा धीरे-धीरे भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई थी। मजदूरों के बजाय मशीनों से काम कराया जाने लगा और भारी-भरकम राशि खर्च होने के बावजूद गांवों का सुनियोजित विकास नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि इस विषय पर पिछले एक साल से गहन विचार-विमर्श चल रहा था, जिसके बाद विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 'जी राम जी योजना' लाई गई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना विकसित भारत के साथ-साथ विकसित गांव का है। इसी सोच के तहत अब गांवों के विकास का प्लान ग्राम पंचायत स्वयं तैयार करेगी, ताकि योजनाएं जमीन पर असरदार तरीके से लागू हो सकें।

विपक्ष और पंजाब सरकार पर तीखा हमला

केंद्रीय मंत्री ने संसद में विपक्ष के व्यवहार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष ने हंगामा किया, लेकिन उन्होंने पूरी दृढ़ता के साथ अपनी बात रखी।पंजाब में संसद द्वारा पारित कानून के खिलाफ एक दिन का विधानसभा सत्र बुलाए जाने पर उन्होंने कहा कि यह संविधान और संसद की व्यवस्था के खिलाफ है। शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार और उसके सहयोगी दल अंध विरोध की राजनीति कर रहे हैं, जबकि खुद पंजाब सरकार पर भ्रष्टाचार के कई मामले हैं।

अमित शाह की तारीफ पर बोले- मोहन यादव तेज गति से कर रहे काम

गृह मंत्री अमित शाह द्वारा ग्वालियर में मुख्यमंत्री की तारीफ किए जाने के सवाल पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि डॉ. मोहन यादव उनसे भी अधिक ऊर्जा और तेज गति से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश का विकास तेजी से हो रहा है और इसके लिए उनकी शुभकामनाएं मुख्यमंत्री के साथ हैं।

राहुल गांधी पर टिप्पणी

राहुल गांधी द्वारा मंत्री को योजना की जानकारी नहीं होने संबंधी सवाल पर शिवराज सिंह चौहान ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कल्पनालोक में रहते हैं और देश की वास्तविकता से कटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की प्रक्रिया के बिना कोई योजना लागू होना संभव ही नहीं है।

ममता बनर्जी के मंदिर ऐलान पर प्रतिक्रिया

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा उत्तर बंगाल में महाकाल मंदिर बनाने के ऐलान पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इन्हें चुनाव के समय ही मंदिर याद आते हैं।

उन्होंने कहा कि मंदिर और धार्मिक गतिविधियां आस्था का विषय होती हैं, लेकिन जब धार्मिक संस्थाओं पर हमले होते हैं, तब यही लोग चुप रहते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने तंज कसते हुए कहा- चुनाव आते ही त्रिपुण्ड लगाते हैं, हनुमान चालीसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ करने लगते हैं।

डॉ. पिंकेश लता रघुवंशी लोक सेवा आयोग के सदस्य पद पर नियुक्त

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने डॉ. पिंकेश लता रघुवंशी को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य पद पर नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार विदिशा निवासी डॉ. रघुवंशी की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण के दिनांक से मान्य होगी।

भागीरथपुरा में गंदे पानी का कहर, 100 से ज्यादा बीमार, 1126 घरों से सैंपल लिए गए

रातभर चला अभियान, 55 मरीज अस्पताल में, स्वास्थ्य विभाग की टीम जुटी

इंदौर। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 के अंतर्गत भागीरथपुरा इलाके में गंदे पानी से फैली बीमारी के बाद नगर निगम और जिला प्रशासन ने 'ऑपरेशन भागीरथपुरा' शुरू कर दिया। रविवार रात से सोमवार सुबह तक नगर निगम की टीमों ने क्षेत्र के 1126 घरों में जाकर पानी के सैंपल लिए। प्रशासन का दावा है कि अब हालात काबू में हैं और इस समय 55 मरीज ही अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि शेष स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। जबकि, स्थानीय लोगों का दावा है कि 100 से ज्यादा भर्ती हैं और 2 की मौत हो गई। गंदे पानी से 150 से अधिक लोगों के बीमार होने की सूचना के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय स्वयं अस्पताल पहुंचे और मरीजों का हाल जाना। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सभी पीड़ितों का निःशुल्क इलाज कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर शिवम वर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी रात में ही भागीरथपुरा पहुंच गए। नगर निगम ने क्षेत्र को 33 हिस्सों में विभाजित कर शहर के सभी जोनल कार्यालयों से सीएसआई, सहायक यंत्री और उपयंत्रियों को मौके पर लगाया। हर घर में जाकर पाइपलाइन, नल और पानी की गुणवत्ता की जांच की जा रही है।

निगम आयुक्त ने खुद देखी स्थिति- नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव रात से ही क्षेत्र में मौजूद रहे। सुबह 6 बजे से उन्होंने स्वयं कई घरों में जाकर नल से आ रहे पानी की स्थिति देखी और सैंपलिंग करवाई। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद कमल वाघेला भी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम को कारणों की जांच के लिए लगाया गया है। टीम जल्द अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी।

पानी उबालकर पीने की अपील

नगर निगम की गाड़ियों से अनाउंसमेंट कर लोगों को पानी उबालकर पीने की सलाह दी जा रही है। साथ ही प्रभावित क्षेत्र में पेयजल टैंकर भी लगाए गए हैं। संजीवनी क्लिनिक को 24 घंटे चालू रखा गया है और डॉक्टरों की टीम तैनात है।

कांग्रेस का दावा, दो मौतें

शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने गंदे पानी से दो मौतें होने का दावा किया है। उनके अनुसार 70 वर्षीय नंदलाल पाल और सीमा प्रजापति की मृत्यु हुई है। हालांकि निगम, पुलिस और प्रशासन ने दोपहर तक मौत की पुष्टि से इंकार किया है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

10 साल के बच्चे को उठा ले गया तेंदुआ, मौत

कटनी में बहन के साथ लकड़ी बीनने गया था; ड्रोन की मदद से तलाश रहे वनकर्मी

कटनी (नप्र)। कटनी में 10 साल के बच्चे पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुआ उसे जबड़े में दबाकर घने जंगल में ले गया। साथ गए बच्चों ने शोर मचाया तो ग्रामीण मौके पर पहुंचे। बच्चे को ढूंढने जंगल के भीतर गए, जहां झाड़ियों में उसका शव मिला। मामला कटनी जिले की विजयराघवगढ़ तहसील के घुनौर गांव में मंगलवार दोपहर का है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राज कोल अपनी बहन और दोस्तों के साथ जंगल में लकड़ी बीनने गया था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने उस पर झपट्टा मारा। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता या राज को बचाने का प्रयास करता, तेंदुआ उसे लेकर जंगल की ओर भाग गया।

ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर जंगल की तरफ दौड़े, लेकिन तेंदुए का पता नहीं चल सका। बच्चे का शव घने जंगल के करीब 500 मीटर अंदर झाड़ियों के बीच में मिला।

वन विभाग की टीम मौके पर, पिंजरा मंगाया- सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर गौरव शर्मा के नेतृत्व में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। तेंदुए की लोकेशन पता लगाने के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग किया जा रहा है।

टीम तेंदुए के पदचिह्नों के आधार पर उसकी दिशा का पता लगाने में जुटी है। उसे पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की कवायद भी शुरू कर दी गई है।

ग्रामीण बोले- वन विभाग ने सक्रियता नहीं दिखाई

ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में तेंदुए की सक्रियता देखी जा रही थी। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई थी। यदि समय रहते गश्त बढ़ाई जाती या तेंदुए को पकड़ने के प्रयास किए जाते, तो यह घटना टाली जा सकती थी।उन्होंने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार के लिए उचित मुआवजे की मांग की है।

एसडीओ ने कहा- तेंदुए की तलाश कर रहे

सब डिविजनल ऑफिसर (एसडीओ) सुरेश बरोले ने बताया- राज कोल अपनी बड़ी बहन के साथ लकड़ी बीनने के लिए जंगल से लगे राजस्व क्षेत्र में गया था। इसी दौरान झाड़ियों में एक तेंदुआ गाय का शिकार कर रहा था। बच्चे के नजदीक जाने पर तेंदुए ने उस पर झपट्टा मारा और उसे जंगल की ओर खींच ले गया।

करीब एक घंटे की तलाश के बाद बच्चे का शव घटनास्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर मिला। फिलहाल, तेंदुए की लोकेशन का पता लगाने के लिए क्षेत्र में खोजबीन लगातार जारी है।

कटनी से संगम में स्नान के लिए प्रयागराज जा रहे थे

कंटेनर में घुसी श्रद्धालुओं की ट्रैक्स क्रूजर

4 की मौत, 11 से ज्यादा घायल

मैहर (नप्र)। मैहर में नेशनल हाईवे-30 पर ट्रैक्स क्रूजर कंटेनर से टकरा गया। गाड़ी में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 11 से ज्यादा लोग घायल हैं। हादसे के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार हो गया।

हादसा नादन में सोमवार देर रात हुआ। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्स क्रूजर में करीब 20 लोग सवार थे। ये सभी कटनी के एनकेजे पकरिया से प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में 4 जनवरी से शुरू हो रहे माघ मेले में शामिल होने जा रहे थे। सभी को संगम में स्नान करना था। ग्राम तिलोरा के पास हाईवे पर वाहन आगे चल रहे कंटेनर में पीछे जा घुसा। मौके पर चीख-पुकार मच गई।

स्थानीय लोग और पुलिसबल तुरंत मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से मैहर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक की रास्ते में मौत हो गई, वहीं एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 12 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इनकी हुई मौत - धोंगा पटेल (50) और ट्रैक्स चालक जितेंद्र प्यासी (24) की मौके पर मौत हो गई। एक महिला को कटनी रेफर किया गया था, जिसने रास्ते में दम तोड़ दिया। जबकि एक अन्य महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

ये हुए घायल - जगदीश पटेल, रामसहाय पटेल, राम प्रताप पटेल, मैंगो भाई पटेल, श्याम सुंदर पटेल, ओम पटेल, कृष्णा पटेल, सत्य प्रकाश पटेल, सत्यभान पटेल, संतलाल पटेल, सत्यम पटेल और रामप्रता पटेल घायल हैं।

चालक की तलाश कर रही पुलिस- पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही बताया जा रहा है। कार सवार कंटेनर में पीछे से घुसे हैं। इस घटना के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

सभी घायल सिविल और जिला अस्पताल में भर्ती

सिविल अस्पताल ड्यूटी डॉक्टर जितेंद्र तिवारी ने बताया कि 12 लोग घायल हैं, जिनका इलाज मैहर सिविल अस्पताल और जिला अस्पताल में चल रहा है। एक घायल को परिजन कटनी इलाज के लिए ले जा रहे थे। अभी उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

डिंडौरी में नर्मदा किनारे खड़ी गाड़ियों पर ओस जमी

पचमढ़ी झील पर उठती दिखी धुंध; छतरपुर का नौगांव सबसे ठंडा, उमरिया में पारा 3.1 डिग्री, भोपाल कंपकपाया

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से में अब कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हुआ है। सोमवार-मंगलवार की रात में पूर्वी हिस्से के कई शहरों में पारा काफी लुढ़क गया। छतरपुर का नौगांव सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 3 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार डिंडौरी में नर्मदा किनारे खड़ी गाड़ियों पर सुबह-सुबह ओस की परत जम गई। पचमढ़ी झील पर भी सुबह हल्की धुंध दिखाई दी। ठंडी हवाओं के चलते भोपाल भी कंपकपा रहा है। वहीं दतिया मंगलवार को प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा। रिकॉर्ड,न्यूनतम पारा 5.7 डिग्री रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, उमरिया में 3.1 डिग्री, खजुराहो में 4.4 डिग्री, राजगढ़ में 4.6 डिग्री, पचमढ़ी में 4.8 डिग्री, मंडला-रीवा में 5 डिग्री, सतना में 5.2 डिग्री, दतिया में 5.7 डिग्री और मलाजखंड में तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस रहा। भोपाल में यह 5.6 डिग्री, इंदौर-ग्वालियर में 6.6 डिग्री, उज्जैन में 9.2 डिग्री और जबलपुर में 7 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश के करीब 25 शहरों में तापमान 10 डिग्री के नीचे ही रहा।

इधर, दतिया और खजुराहो में घने कोहरे की वजह से विजिबिलिटी 50 से 200 मीटर के बीच रही। सतना, नौगांव, रीवा, सीधी, खरगोन और मंडला में भी घना कोहरा दर्ज किया गया। इससे ट्रेनों की टाइमिंग पर भी असर पड़ा।

मौसम विभाग की मानें तो जेट स्ट्रीम की रफ्तार 287 किमी पहुंच गई है। इस वजह से प्रदेश के कई शहर दिन-रात कांप रहे हैं। बीते 24 घंटे में भोपाल, राजगढ़, इंदौर और शहडोल में शीतलहर का असर देखा गया। मंगलवार को भी सर्द हवाओं का असर बना रहेगा।

ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, भोपाल, शाजापुर, रायसेन, विदिशा समेत कई जिलों में कोहरे का असर रहा। इस वजह से दिल्ली से आ रही ट्रेनें 4 से 5 घंटे तक लेट है।

25 शहरों में 10 डिग्री से नीचे तापमान

इधर, रात के तापमान में भी गिरावट हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार की रात में भोपाल में 5.6 डिग्री, इंदौर में 6.4 डिग्री, ग्वालियर में 9 डिग्री, जबलपुर में 8 डिग्री और उज्जैन में पारा 9.5 डिग्री रहा।

इसी तरह कल्याणपुर के बाद राजगढ़ प्रदेश का दूसरा सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 4 डिग्री पहुंच गया। छतरपुर के नौगांव-उमरिया में 5 डिग्री, पचमढ़ी में 5.2 डिग्री, मलाजखंड में 5.3 डिग्री, मंडला में 5.8 डिग्री, खजुराहो-शिवपुरी में 6 डिग्री, रायसेन में 6.4 डिग्री, दमोह में 6.8 डिग्री, छिंदवाड़ा में 8 डिग्री, टीकमगढ़ में 8.5 डिग्री, दतिया-गुना में 8.6 डिग्री, बैतूल में 8.7 डिग्री, बैतूल, खरगोन, रीवा-रतलाम में 9 डिग्री, सागर में 9.4 डिग्री, सीधी और सतना में 9.7 डिग्री दर्ज किया गया।